राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 222 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, बुधवार, 23 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

एक नजर

लखनऊ में 87 कंपनी अर्धसैनिक बल और करीब 15 हजार पुलिस कर्मी कराएंगे मतदान

लखनऊ। नौ विधानसभा क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से 23 फरवरी को मतदान कराने के लिए चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर और जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने सारे इंतजाम कर लिए हैं। मतदान के दौरान सभी पोलिंग स्टेशनों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। सोमवार दोपहर इसके लिए बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बल, पीएसी और पुलिस कर्मी आ गए हैं। लखनऊ पुलिस के आलावा गैर जनपदों से आने वाली पुलिस अधिकारियों की निगरानी में मतदान कराएगी। कुल 3438 मतदेय स्थल, 125 वल्नरेबल पर विशेष व्यवस्थाः जेसीपी कानून व्यवस्था पीयूष मोर्डिया ने बताया कि शहर में कुल 3438 मतदेय स्थल हैं और 1103 केंद्र हैं। इनमें से 134 क्रिटिकल और 125 वल्नरेबल हैं। इन सभी बूथों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि चुनाव सेल प्रभारी डीसीपी दिगंबर कुशवाहा को बनाया गया है। इसके अलावा वल्नरेबल केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

मातृभाषा के संरक्षण के लिए जन अभियान जरूरी : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को कहा कि भाषा ही लोगों के बीच वह सूत्र है जो उन्हें समुदाय के रूप में बांधती है। उन्होंने मातृभाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक जन अभियान का आह्वान करते हुए कहा कि यदि हम अपनी मातृभाषा को खोते हैं तो अपनी पहचान खोते हैं। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित एक समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने भारतीय भाषाओं में बदलते समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप बदलाव लाने का आग्रह किया।
उन्होंने भारतीय भाषाओं को युवा पीढ़ी में प्रचलित करने के लिए नए तरीके खोजने का भी आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि खेल-खेल में ही बच्चों को भाषा की बारीकियां सिखाई जानी चाहिए।
उपराष्ट्रपति ने भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली में सुधार करने का भी सुझाव दिया।
कार्यक्रम में चेन्नई से जुड़े उपराष्ट्रपति ने भाषा को सांस्कृतिक धरोहर की वाहक बताते हुए कहा कि भाषा हमारे वर्तमान को अतीत से जोड़ने वाला अदृश्य सूत्र है। हमारी भाषाएं हजारों सालों के अर्जित साझे ज्ञान और विद्या का खजाना होती हैं। उन्होंने कहा कि भारत में सदियों से विभिन्न भाषाएं साथ-साथ रही हैं और यही भाषाई समृद्धि हमारी रचनात्मकता और सृजन का कारण रही है। उन्होंने हर्ष व्यक्त किया कि नई शिक्षा नीति 2020 में स्कूली और कॉलेज शिक्षा को मातृभाषा के माध्यम से पढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है।

माया‌वती ने सरकारों को जिम्मेदार ठहराते हुए सपा एवं भाजपा पर तीखा हमला बोला

बसपा की सरकार बनी तो गुंडे-माफिया को भेजेंगे जेल, किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस होंगे : मायावती

बहराइच । बसपा सुप्रीमो मायावती ने दलितों, आदिवासियों एवं पिछड़े वर्ग की समस्याओं के लिए कांग्रेस की सरकारों को जिम्मेदार ठहराते हुए सपा एवं भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह दोनों दल एक ही थैली के चट्टे बट्टे हैं। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बनने पर आंदोलन के दौरान उन पर दर्ज हुए मुकदमे जांच कराकर वापस लिए जाएंगे और गुंडा माफिया जेल में होंगे। पयागपुर में देवीपाटन मंडल की सभी 20 सीटों के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित जनसभा में उन्होंने दलितों क्यों पिछड़ों को लुभाने के लिए सरकार बनने पर सरकारी जमीन का खेती के लिए पट्टा एवं दो कमरों का मकान बनवा कर दिए जाने का वादा किया। 12 बजकर पांच मिनेट पर मायावती का हेलीकाप्टर लैंड हुआ।

मंच पर पहुंचते ही बसपा सुप्रीमो को प्रतीक चिह्न भेंट कर बसपाइयों ने स्वागत किया। जनता का अभिवादन करने के बाद बसपा सुप्रीमो ने सबसे पहले कांग्रेस पर हमला बोला। कहा, केंद्र एवं देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस की सरकारें जबरदस्त जातिवादी, दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विरोधी हैं। कांग्रेस ने बाबा साहब को भारत रत्न नहीं दिया, जबकि उनके मिशन को आगे बढ़ाने वाले कांशीराम के निधन पर राष्ट्रीय शोक करने से परहेज किया। मंडल कमीशन भी लागू नहीं किया। अपनी इन्हीं गलत नीतियों के कारण कांग्रेस आज देश व तमाम राज्यों से सत्ता से बाहर हो गई है। बीपी सिंह सरकार में लागू मंडल कमीशन की रिपोर्ट का श्रेय लेते हुए उन्होंने कांग्रेस पर दलितों और आदिवासियों के हितों का नाटक करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में दंगाइयों और गुंडो का बोलबाला रहा। सपा एक विशेष क्षेत्र और विशेष समुदाय के लिए काम करती है। सपा सरकार में दंगों के चलते तनाव की स्थिति रहती है। उन्होंने हमारे महापुरुषों के नाम पर बनी शैक्षिक संस्थाओं एवं जिलों के नाम बदल दिए। भाजपा ने भी न्याय नहीं दिया।भाजपा जातिवादी और आरएसएस के इशारे पर चलने वाली पार्टी है। इसने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और मुस्लिमों के लिए चलाई गई योजनाओं को बंद कर दिया।आरक्षण का लाभ बीजेपी सरकार में नहीं मिल पा रहा है। भाजपा सरकार में मुस्लिम डरा सहमा रहता है।

भाजपा सरकार में प्रबुद्ध वर्ग में विशेष कर ब्राह्मणों का बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि बसपा सभी सीटों पर अकेले दम पर चुनाव लड़ रही है और सर्व समाज की एकमात्र ऐसी पार्टी है। 2007 में उसकी सरकार बनने पर रोजगार के लिए बाहर गए लोग वापस लौटे थे। बसपा ने प्रदेश में चार बार शासन किया और नौकरियां दीं। अब नौकरियां न होने के कारण पलायन हो रहा है। हमारी सरकार आने पर सभी को दोबारा वापस बुला कर रोजी रोटी का प्रबंध करेंगे। सभा में श्रावस्ती के सांसद रामशिरोमणि वर्मा, पयागपुर से उम्मीदवार गीता मिश्र, श्रावस्ती से उम्मीदवार नीतू मिश्र सहित बड़ी तादाद में पदाधिकारी मौजूद थे।

चौथे चरण के लिए पुलिस ने कसी कमर संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा पर रहेगा कड़ा पहरा

लखनऊ । तीन चरणों का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने के बाद अब पुलिस की नजर चौथे चरण के संवेदनशील क्षेत्रों पर है। नौ जिलों के 59 विधानसभा क्षेत्रों में पुलिस का कड़ा पहरा होगा। इसके लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, पीएसी व पुलिस के जवानों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। खासकर नौ जिलों की सीमाएं सील कराकर प्रभावी चेकिंग कराने के निर्देश दिए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। विशेष रणनीति के तहत पुलिस ने अब तक ऐसे क्षेत्रों में कड़ा पहरा कायम रखा है। संदिग्ध व शरारतीतत्वों की निगरानी बढ़ाने के साथ ही इंटरनेट मीडिया की मानीटरिंग भी बढ़ा दी गई है। संबंधित जिलों की सोशल मीडिया सेल को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के साथ ही डीजीपी मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर से समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए गए है। पुलिस सभी वायरल संदेशों पर नजर रख रही है। प्रचार थमने के बाद प्रत्याशियों व उनके समर्थकों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि 800 कंपनी केंद्रीय पुलिस को सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

पीएसी व पुलिस के जवानों को भी पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी के निर्देश दिए गए हैं। शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलों के पुलिस अधिकारियों को भी विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। खासकर पिछले चुनावों के दौरान हुई घटनाओं के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के साथ ही स्थानीय लोगों से लगातार संवाद बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। हर छोटी-बड़ी घटना को पूरी गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई का निर्देश भी दिया गया है। मिलीजुली आबादी वाले क्षेत्रों में भी पुलिस का कड़ा पहरा होगा। ऐसे स्थानों पर खुफिया इकाई को भी सक्रिय किया गया है।

सपा सत्ता में आई तो आतंकियों की रक्षा करेंगे अखलिश : नड्डा

देवरिया। देवरिया के रुद्रपुर में चुनावी सभा को संबोधति करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार बनी तो कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म हुआ, अयोध्या में भव्य राम मंदरि बन रहा है। यह सब आपके वोट की ताकत से हो रहा है।

रुद्रपुर के सतासी राज इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा के दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि अखिलेश ने बतौर मुख्यमंत्री आतंकियों के मुकदमे वापस लिए और आतंकियों को छोड़ दिया लेकनि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुकदमे वापस नहीं लेने दिया। रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर गोलियां चलीं और सात जवान शहीद हो गए। सपा पर नशिाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश रक्षक नहीं भक्षक हैं। यदि अखलिश सत्ता में आए तो वह आतंकवादियों की रक्षा करेंगे।

विधायक हमारा माध्यम है, देश और देवरिया की तस्वीर बदलने आए हैं। आपकी अंगुली में बहुत ताकत है। यहां के विधायक जयप्रकाश ने पांच साल में मेडिकल कालेज खुलवाया, बिजली पहुंचाई। मोदी की सरकार बनी तो मंदिर की राह आसान हुई। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश में दो निशान दो विधान का विरोध किया, नरेन्द्र मोदी की सरकार आई कश्मीर ने अनुच्छेद 370 हटा दयिा। अभी और भी बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने कहा कि आप बताइये कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि नहीं कहा था कि तीन तलाक का काला कानून समाप्त होना चाहिए कि नहीं। मोदी के नेतृत्व में तीन तलाक का कानून समाप्त हुआ। यह कानून पाकिस्तान, अफगानिस्तान में नहीं है। यह होता है वोट का कमाल। पहले भी दीवाली आती थी अयोध्या में दीवाली क्यों नहीं मनती थी। यह अंतर, अंगुली की ताकत। आज भव्य तरीके से मूर्ति विसर्जन भी होती है और पूजा भी होता है, और मैं दम के साथ यह कह रहा हूं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सभा को रानीगंज विधान सभा क्षेत्र के बभनमई में हो रही

अखिलेश की चली तो जेल से बाहर होंगे अतीक, मुख्तार और आजम : शाह

संवाददाता

प्रयागराज। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सभा मंगलवार को रानीगंज विधान सभा क्षेत्र के बभनमई में हो रही है। संबोधन की शुरुआत में शाह ने जनता को 300 पार का उद्घोष करते हुए संकल्प दिलाया। युवाओं को अपने जिगर का टुकड़ा बताते हुए जोश भरा। बोले, तीन चरणों का मतदान हो चुका है। यूपी से सपा, बसपा और कांग्रेस का सुपड़ा साफा हो चुका है। 300 से अधिक सीटों के साथ भाजपा सरकार बनाने जा रही है। अखिलेश बाबू अच्छे गेंदबाज नहीं है। यदि फुलटास बाल मिले तो चौका लगाना ही चाहिए। अमित शाह बोले कि अखिलेश बाबू आज मैं हिसाब देने और आपसे हिसाब मांगने भी आया है। एक करोड़ 67 लाख लोगों को फ्री रसोई गैस कनेक्शन मिले। भाजपा की सरकार बनते ही होली में फ्री में गैस सिलेंडर घर पहुंच जाएगा। महिलाओं को शर्म न महसूस हो इसलिए भाजपा ने बड़ी संख्या में शौचालय बनवाए। केंद्रीय

गृह मंत्री ने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस के समय में शौचालय नहीं बनाए गए। महिलाओं के सम्मान की बात सोची भी नहीं। पहले बिजली आती ही नहीं थी अब बिजली ही नहीं मिलती बल्कि गरीबों के घर में बिजली का कनेक्शन फ्री दिया जा रहा है। एक बार फिर सरकार बनाइए, पांच साल तक किसानों को बिजली का बिल नहीं भरना पड़ेगा। कोरोना के लिए आई वैक्सीन को मोदी का टीका बताकर आलोचना करने वाले अखिलेश यादव कुछ दिन बात अंधेरे में चुपके से टीका खुद लगवाया था। 15 करोड़ गरीबों को कोराना काल में मुफ्त राशन मिला। अमित शाह बोले कि यह माफिया का क्षेत्र है, हमारे सांसद साथी संगम लाल अक्सर दबंगों की चर्चा करते थे। योगी जी ने माफिया पर नकेल कस दी है। अपराध कम हुए हैं। दो हजार करोड़ की जमीन भूमाफिया कब्जाए थे, अब वह गरीबों को मिल रही है। भाजपा ने जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टीकरण खत्म किया। आजम, अतीक व मुख्तार जैसे तुर्रम खान आज जेल में हैं। अखिलेश सरकार में आए तो ये जेल से बाहर आ जाएंगे। कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री ने धारा 370 हटवाया। इसका विरोध सपा, बसपा और कांग्रेस वाले करने लगे। बोले कि यही अखिलेश ने कहा था कि 370 हटी तो देश में खून की नदियां बहेंगी। अखिलेश जी आप किसको डरा रहे थे। अब बताइए कहां खून की नदियां बहीं, अब तो पत्थर भी चलना बंद हो गए। पाकिस्तान से आतंकी आते थे और जवानों का सिर काटकर चले जाते थे। मनमोहन सिंह मौनी बाबा की तरह चुप रहते थे। अब मोदी जी ने सर्जिकल स्ट्राइक कर जवाब दे दिया है। मोदी जी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया है। पूरी दुनिया में संदेश दिया कि देश की सीमा और सेना के सामने आंख उठाकर नहीं देख सकते हैं।

प्रदेश में अब बाहुबली नहीं बजरंगबली दिखते हैं। बताओ सब बीजेपी को लाओगे न। इसके बाद गृहमंत्री ने भाजपा के शासन में हुए कार्यों को गिनाया। रानीगंज के लिए रसारा काम किया। अभी ओर होने वाला है। इंजीनियरंग कालेज अप्रूव हो चुका है। केंद्रीय विद्यालय बन चुका है। संसारपुर में औद्योगिक क्षेत्र के विकास का काम चल रहा है। प्रतापगढ़ में डा. सोनेलाल मेडिकल कालेज का निर्माण हो चुका है। चार आक्सीजन प्लांट जनपद में बन चुके हैं। 813 आक्सीजन कंसंट्रेटर एक्टिव हैं। बोले मुझे बताओ अखिलेश आएं तो पूछोगे कि दस साल में क्या किया। सपा बसपा ने कोई विकास नहीं किया। विकास तो सर्फ बीजेपी ने किया। गरीबों का काम भाजपा ही कर सकती है। कानून और व्यवस्था सिर्फ योगी जी सुधार सकते है।

मणिपुर विधानसभा चुनाव 2022: पूर्वोत्तर की संस्कृति और पहनावे का मजाक उड़ाते हैं कांग्रेस नेता : मोदी

संवाददाता

नई दिल्ली । देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। पंजाब, गोवा और उत्तराखंड में मतदान हो चुका है जबकि यूपी में तीसरे चरण की वोटिंग हुई है। मणिपुर में भी अभी मतदान बाकी है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने आज मणिपुर के हिंगांग में जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने मणिपुर की जनता को सरकार की उपलब्धियां गिनाई। मोदी ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत मणिपुर में 60 हजार से ज्यादा घर बनाएं जा रहे हैं। इनमें से ज्यादातर पर मालिकाना हक महिलाओं का है। मोदी ने कांग्रेस पर हमला भी किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी, नॉर्थ ईस्ट के लोगों की भावनाओं को, यहां के लोगों की तकलीफों को कभी समझ ही नहीं पाई। ये गक्ह की सरकार है जो नॉर्थ ईस्ट को अष्ठ लक्ष्मी मानते हुए, भारत के विकास का ग्रोथ इंजन मानते हुए, काम कर रही है। आप सभी की सेवा, आप सभी का विकास ही हमारी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा कि बीते दशकों में आपने अनेक सरकारों, उनका कामकाज और उनके कारनामे देखे हैं। दशकों के कांग्रेस शासन में मणिपुर

को असमानता और असंतुलित विकास ही मिला, लेकिन बीते 5 वर्षों में बीजेपी की डबल इंजन की सरकार ने मणिपुर के विकास का पूरी ईमानदारी से प्रयास किया है।

ये चुनाव मणिपुर के आने वाले 25 साल को निर्धारित करने वाला है, स्थिरता और शांति की जो प्रक्रिया इन 5 सालों में शुरू हुई है उसमें अब हमें स्थायी बनाना है। इसलिए मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बननी बहुत आवश्यक है। मणिपुर में जो देश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाई गई है, वो इस क्षेत्र को स्पोर्ट्स का इंटरनेशनल हब बनाएगी। बीजेपी सरकार पूरे नॉर्थ ईस्ट में स्पोर्ट्स टैलेंट को प्रोत्साहित कर रही है, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश कर रही है।

मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस ने कभी आपके सामर्थ्य पर विश्वास नहीं किया, आपसे स्नेह नहीं किया। आज भी कांग्रेस के नेता यहां आकर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। लेकिन दूसरे राज्यों में जाते ही पूर्वोत्तर की संस्कृति, पूर्वोत्तर के पहनावे का मजाक उड़ाते हैं। भाजपा सरकार ने मणिपुर में असंभव को भी संभव बनाया है। बंद और ब्लॉकेड से मणिपुर का शहर हो या गांव, हर क्षेत्र को राहत मिली है। वरना कांग्रेस सरकार ने तो बंद और ब्लॉकेड को ही मणिपुर का भाग्य बना दिया था।

इसके अलावा पीएम मोदी आज यूपी के बहराइच में भी जनसभा को संबोधित करेंगे। मोदी दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बहराइच के पयागपुर के शिवदहा मोड़ स्थित मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। बता दें कि बहराइच में पांचवें चरण में वोटिंग होगी। वहीं, मणिपुर में 28 फरवरी और 5 मार्च को दो चरणों में चुनाव होगा।

यूपी में कल चौथे चरण का चुनाव होगा। इसमें 9 जिलों की 59 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। चुनाव को देखते हुए 9 जिलों की सीमाएं सील कर दी गई हैं। सशस्त्र पुलिस बल, पीएसी व पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है।एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि 800 कंपनी केंद्रीय पुलिस को सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

अयोध्या में सीएम योगी आदित्यनाथ बोले-भाजपा को 325 सीट का मतलब एक मजबूत और दमदार सरकार

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में पांचवें चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में से एक रामनगरी अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि पांचवें चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में प्रचार अभियान का प्रारंभ मैं प्रभु राम की नगरी अयोध्या से कर रहा हूं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के मिल्कीपुर तथा बीकापुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी सभा की। मिल्कीपुर से गोरखनाथ बाबा और बीकापुर से डॉ अमित सिंह चौहान भाजपा के प्रत्याशी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम अयोध्या की पांचों सीटें जितेंगे तो उत्तर प्रदेश में 325 सीटों का समर्थन भाजपा को प्राप्त होगा। उत्तर प्रदेश में 325 सीट जीतने का मतलब प्रदेश में एक मजबूत और दमदार सरकार होगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान रामनगरी में जिन आतंकवादियों ने भगवान श्रीराम के मंदिर पर हमला

किया था, सपा ने सत्ता में आने के बाद सबसे पहले उन आतंकवादियों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने का शर्मनाक काम किया था। उन्होंने कहा कि यह तो तय है कि समाजवादी पार्टी का हाथ आतंकवादियों के साथ। इसके साथ ही उनकी संवेदना भी आतंकवादियों के प्रति ही है। पेशेवर माफिया 4.5 वर्षों तक बिलों के अंदर दुबके थे, चुनाव की घोषणा के बाद फिर से बाहर आकर धमकीबाज बन गए। हमने कहा कि थोड़े दिन और इनकी गर्मी रहने दो 10 मार्च के बाद सब शांत हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ भाजपा की सरकार ही संकट के समय में लोगों के साथ खड़ी रहती है। आप सभी लोगों ने इसको कोरोना संक्रमण के समय देखी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश भर में हर उस जगह को लेकर सक्रिय रहे जहां कोरोना संक्रमण फैल रहा था। उन्होंने कहा कि हमने भी हर जिले का दौरा किया। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने फ्री में टेस्ट, उपचार और वैक्सीन की सुविधा दी। संकट में सभी को डबल डोज राशन का भी मिला। क्या सपा, बसपा, कांग्रेस के समय भी ऐसे ही राशन मिलता था। जब यह आपके सुख दुख में सहभागी नहीं तो इन्हें सिर में ढोने की क्या जरुरत है। इनको विसर्जन करने की जरुरत है।

इंसानी शरीर, गद्दे और कार्पेट: आखिर श्रीलंका ने ब्रिटेन को क्यों लौटाया 3,000 टन कचरा?

यूक्रेन। श्रीलंका ने सोमवार को हजारों टन अवैध रूप से आयातित कचरे से भरे कई सौ कंटेनरों के अंतिम बैच को ब्रिटेन भेज दिया। कई एशियाई देशों ने हाल के वर्षों में धनी देशों के कूड़े करकट के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है और उन्होंने अवांछित शिपमेंट को वापस करना शुरू कर दिया है। कोलंबो बंदरगाह पर एक जहाज पर लदे 45 कंटेनर, उन 263 कंटेनरों का अंतिम बैच का हिस्सा थे जिसमें लगभग 3,000 टन कचरा था। ब्रिटेन से कचरा 2017 और 2019 के बीच श्रीलंका पहुंचा था और उसमें इस्तेमाल किए गए गद्दे और कालीन शामिल थे, लेकिन वास्तव में इसमें अस्पतालों से बायोवेस्ट भी शामिल था, जिसमें सीमा शुल्क अधिकारियों के अनुसार शवों के शरीर के अंग भी शामिल थे। कंटेनरों से आ रही थी शक्तिशाली गंध

बताया जा रहा है कि कंटेनरों को ठंडा नहीं किया गया था और उनमें से कुछ ने एक शक्तिशाली गंध छोड़ दी थी। सीमा शुल्क प्रमुख विजेता रविप्रिया ने कहा कि इस तरह के खतरनाक माल के आयात के नए प्रयास हो सकते हैं, लेकिन हम सतर्क रहेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा न हो। रविप्रिया के अनुसार चिकित्सा अपशिष्ट रखने वाले पहले 21 कंटेनरों को सितंबर 2020 में ब्रिटेन लौटा दिया गया था।

रिसाइकल लिए आयात किया था कचरा

एक स्थानीय कंपनी ने ब्रिटेन से कचरे का आयात किया था। कंपनी का कहना था कि उसने विदेशों में मैन्युफैक्चरर्स को फिर से भेजने के लिए इस्तेमाल किए गए पुराने गद्दों के साथ-साथ कपास से स्प्रिंग को रिसाइकल करने की योजना बनाई है। हालांकि सीमा शुल्क इस तरह के संसाधन वसूली के विश्वसनीय सबूत खोजने में विफल रहा। एक स्थानीय पर्यावरण कार्यकर्ता समूह ने एक याचिका दायर कर कचरे को उसके प्रेषक को वापस करने की मांग की थी और श्रीलंका की कोर्ट ऑफ अपील ने 2020 में याचिका को बरकरार रखा था। कस्टम ने कहा कि प्लास्टिक सहित खतरनाक कचरे के शिपमेंट को नियंत्रित करने वाले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर सभी कंटेनरों को देश में लाया गया था।

भारतीय दूतावास की छात्रों से अपील- जल्द छोड़ें यूक्रेन, न करें ऑनलाइन क्लासिस शुरू होने का इंतजार

यूक्रेन। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने मंगलवार को एक बार फिर भारतीय छात्रों से उस देश को अस्थायी तौर पर छोड़ने को कहा है। भारतीय दूतावास का यह सुझाव ऐसे समय में आया है जब रूस द्वारा पूर्वी यूक्रेन के दो अशांत क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता प्रदान करने के बाद तनाव बढ़ गया है। यूक्रेन में मेडिकल पढ़ाई कराने वाले विश्वविद्यालयों द्वारा ऑनलाइन पढ़ाई के संबंध में भारतीय छात्रों के सवालों पर दूतावास ने कहा कि वह इस मामले में संबंधित प्राधिकार के सम्पर्क में है।

भारतीय दूतावास के अनुसार, '' दूतावास को मेडिकल पढ़ाई कराने वाले विश्वविद्यालयों द्वारा आनलाइन पढ़ाई कराने के संबंध में काफी कॉल प्राप्त हुए हैं। इस संबंध में, जैसा कि पूर्व में सूचित किया गया है, हम भारतीय छात्रों की शिक्षा प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के लिये संबंधित प्राधिकार के सम्पर्क में हैं। मिशन ने अपने ताजा परामर्श में कहा, '' छात्रों को सलाह दी जाती है कि अपनी सुरक्षा के हित वे विश्वविद्यालय की आधिकारिक बात का इंतजार करने की बजाए अस्थायी तौर पर यूक्रेन छोड़ दें। रविवार को भारतीय दूतावास ने परामर्श जारी कर भारतीय नागरिकों से कहा था कि यदि उनका प्रवास जरूरी नहीं है तो वे अस्थायी रूप से देश छोड़ दें।

साथ ही भारत ने यूक्रेन में दूतावास कर्मियों के परिवार के सदस्यों से वापस घर लौटने को कहा था। बता दें कि रूस ने रविवार को यूक्रेन की उत्तरी सीमाओं के पास सैन्य अभ्यास बढ़ा दिया था। यूक्रेन की सीमाओं पर 1,30,000 सैनिकों, युद्धक विमानों और अन्य साजो-सामान की तैनाती कर रखी है। कीव की आबादी करीब 30 लाख है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थित अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता दे दी है। वहीं, यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के अलगाववादी क्षेत्रों को मान्यता देने के रूस के कदम को अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार देते हुए कहा कि वह इसमें शामिल लोगों पर प्रतिबंध लगाएगा। इसने यूक्रेन की स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपना समर्थन दोहराया।

रूस ने यूक्रेन से राजनयिकों को जल्द से जल्द निकालने को कहा

मॉस्को। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन से अपने राजनयिक कर्मियों को बाहर निकालने का फैसला किया है।

मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन में रूसी राजनयिकों को कई धमकियां मिली हैं और राजनयिक कर्मियों को ''शीघ्र अति शीघ्र निकाला जाएगा। इस फैसले से पहले रूस ने यूक्रेन के विद्रोही क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता दे दी और रूसी संसद ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन में सैन्य बलों के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी।

खुशखबरी: ग्रीन कार्ड की चाहत रखने वाले भारतीयों को अमेरिका दे रहा बड़ा मौका

रूस। संयुक्त राय अमरीका इस साल यादा भारतीयों को रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड उपलब्ध करवाएगा। अमेरिकी नागरिकता और आप्रवासन सेवा (यूएससीआईएस) के मुताबिक इस साल उच्च प्राथमिकता श्रेणियों के तहत भारतीयों के लिए अधिक वीजा उपलब्ध होंगे। यूएससीआईएस ने कहा है कि योग्य रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड आवेदक उच्च वरीयता श्रेणी में जा सकते हैं क्योंकि 30 सितंबर को समाप्त होने वाले चालू वित्तीय वर्ष के लिए इन श्रेणियों में उपलब्ध रोजगार-आधारित अप्रवासी वीजा की संख्या यादा कर दी गई है।

सामान्य से दोगुना अधिक होंगे वीजा

वित्तीय वर्ष 2022 के लिए समग्र रोजगार-आधारित वार्षिक सीमा सामान्य से लगभग दोगुनी है, क्योंकि इस सीमा में वित्तीय वर्ष 2021 से सभी बिना इस्तेमाल के परिवार-प्रायोजित वीजा संख्या शामिल है, जो लगभग 140,000 थे। पात्र आवेदक अपनी स्थिति को प्राथमिकता कार्यकर्ता या दूसरे उन्नत डिग्री या असाधारण क्षमता वाले व्यवसायों में गैर-नागरिक के लिए फाइल कर सकते हैं। भारतीय नागरिकों को आवेदकों की उच्च संख्या के कारण रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के लिए सबसे लंबे समय तक प्रतीक्षा समय का सामना करना पड़ता है।

खत्म होगा लंबे समय का इंतजार

इमिग्रेशन डॉट कॉम के मैनेजिंग अटॉर्नी राजीव एस खन्ना ने कहा है कि यह उन लोगों के लिए काफी फायदेमंद होगा जो कई सालों से इंतजार कर रहे हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि यदि वे तेजी से आगे बढ़ते हैं तो बहुत से लोग ईबी2 श्रेणी के तहत अपने ग्रीन कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। अतीत में कई लोगों ने अपने एप्लिकेशन को ईबी2 से ईबी3 में डाउनग्रेड कर दिया था क्योंकि वह श्रेणी तेजी से आगे बढ़ रही थी। वे अब वापस ईबी2 में अपग्रेड कर सकते हैं। खन्ना ने कहा कि यूएससीआईएस अधिक से अधिक ग्रीन कार्ड स्वीकृत करना चाहता है, क्योंकि परिवार कोटा से बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। ऐसा अतीत में इतनी बड़ी संख्या में नहीं हुआ है।

रूस पर लग सकते हैं सबसे कठोर अमेरिकी प्रतिबंध

वाशिंगटन। यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती को आक्रमण करार देने के व्हाइट हाउस की घोषणा के बाद मास्को पर कठोर प्रतिबंध लगने की संभावना है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्पष्ट कर दिया है कि वाशिंगटन व्यापक वित्तीय प्रतिबंध लगाने का इरादा रखता है।

बाइडन प्रशासन ने कहा कि अमेरिका के सबसे कठोर प्रतिबंध का पैकेज यूरोपीय देशों के सहयोग से तैयार कर लिया गया है, जो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूस के अंतराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त होगा। इससे रूस में मंदी आने की संभावना बनेगी।

अमेरिका ने अब तक यह खुलासा नहीं किया है कि वह संभावित कठोरतम पाबंदियों में किस विकल्प का उपयोग करेगा।

सीरिया: अस्पताल में आग लगने से 3 लोगों की मौत

डोनबास। सीरिया के अलेप्पो शहर स्थित एक स्थानीय अस्पताल में आग लगने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। फोरेंसिक मेडिसिन के स्थानीय प्रमुख हाशेम शलाश ने मंगलवार को इसकी सूचना दी।

शलाश ने सीरियाई प्रसारक शाम एफएम को बताया, अल अंदलुस अस्पताल की एक इकाई में आज तड़के लगी आग के दौरान दम घुटने से दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अलेप्पो अग्निशमन विभाग के अध्यक्ष ने बताया कि उनके अनुसार कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। रिपोर्ट के मुताबिक आग पर फिलहाल काबू पा लिया गया है।

दुबई जाने वाले भारतीयों के लिए बड़ी राहत, अब नहीं करना पड़ेगा ये काम

जालंधर (सुधीर)। UAE ने बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए कोविड प्रतिबंध में बड़ी ढील दी है। भारत से UAE जाने वाले यात्रियों को अब ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। UAE जाने वाले यात्रियों को अब आरटीपीसीआर करवाना अनिवार्य होगा पर अब यात्रियों को भारत से एयरपोर्ट पर रैपिड टेस्ट करवाने की ज़रूरत नहीं होगी। भारत से श्व जाने वाले यात्रियों को अब 72 घंटे पहले की आरटीपीसीआर रिपोर्ट साथ लेकर जानी होगी और भारत से एयरपोर्ट पर रैपिड टेस्ट नहीं होगा अब यात्रियों को 6 घंटे पहले एयरपोर्ट पर नहीं पहुंचना पड़ेगा।

दरअसल, कोरोना काल में कई देशों ने अपने यहां आने वाले यात्रियों के लिए प्रतिबंध कड़े कर दिए थे, इन देशों में UAE भी शामिल था। श्व जाने वाले यात्रियों को पहले दिल्ली से उड़ान भरने से पहले 6 घंटे पहले एयरपोर्ट पर पहुंचना होता था, वहां उनका आरटीपीसीआर कोविड टेस्ट होता था, रिपोर्ट नेगेटिव आने पर यात्री ही आगे यात्रा कर सकता था। इसके बाद यूएई एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद फिर आरटीपीसीआर टेस्ट से गुजरना पड़ता था। इसकी रिपोर्ट आने में 2 से 3 घंटे का समय लग जाता था। इसमें यात्रियों का अधिक समय बर्बाद हो जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अब यूएई पर लैंड करने के बाद रैपिट टेस्ट होगा।

जंग की आशंका के बीच ह्र में बोला भारत- यूक्रेन और रूस की सीमा पर बढ़ता तनाव गंभीर चिंता का विषय

यूक्रेन। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन संकट को लेकर बुलाई गई आपात बैठक में सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील करते हुए कहा कि यूक्रेन और रूस की सीमा पर बढ़ता तनाव गंभीर चिंता का विषय है और इससे क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने सोमवार रात को सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा कि हम यूक्रेन की पूर्वी सीमा पर हो रही गतिविधियों और रूसी संघ द्वारा इस संबंध में की गई घोषणा सहित यूक्रेन संबंधी घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं। तिरुमूर्ति ने कहा कि रूसी संघ के साथ लगी यूक्रेन की सीमा पर बढ़ता तनाव गंभीर चिंता का विषय है। इन चीज़ों से क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

भारत ने इसके साथ ही सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील भी की। तिरुमूर्ति ने कहा कि सभी देशों के वैध सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए तनाव को कम करना और इस क्षेत्र तथा उसके बाहर दीर्घकालिक शांति एवं स्थिरता स्थापति करना पहली प्राथमिकता है।

युद्ध संकट: भारतीयों को निकालने के लिए शुरू हुआ अभियान, एयर इंडिया की विशेष फ्लाइट यूक्रेन रवाना

यूक्रेन। यूक्रेन पर हमले के गहराते संकट को देखते हुए भारत ने अपने नागरिकों को वहां से निकालने का अबियान शुरू कर दिया है। मंगलवार सुबह एयर इंडिया का विशेष विमान यूक्रेन रवाना किया गया। भारत ने इस विशेष अभियान के लिए 200 से ज्यादा सीटों वाले ड्रीमलाइनर बी-787 विमान को तैनात किया है। इसके अलावा भारत की ओर से फरवरी में दो और उड़ानों का संचालन किया जाएगा। दूसरी फ्लाइट 24 फरवरी और तीसरी 26 फरवरी को यूक्रेन के लिए उड़ान भरेगी।

कीव के लिए अतिरिक्त उड़ानें

यूक्रेन और रूस के बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत ने अतिरिक्त उड़ानों को संचालित करने का फैसला किया है। यूक्रेन में भारतीय दूतावास के मुताबिक, कीव से दिल्ली के लिए चार उड़ानें 25 फरवरी, 27 फरवरी(दो उड़ानें) और 6 मार्च, 2022 को संचालित होंगी। रूस द्वारा यूक्रेन के दो शहरों को स्वतंत्र घोषित किए जाने और सेना भेजने के आदेश के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने आपात बैठक बुलाई जिसमें भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि, रूसी संघ के साथ यूक्रेन की सीमा पर बढ़ता तनाव गहरी चिंता का विषय है। इन घटनाक्रमों में क्षेत्र की शांति और सुरक्षा खंडित होगी। उन्होंने कहा कि, 20,000 से अधिक भारतीय छात्र और नागरिक यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं। भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

भारत-पाक मतभेदों को सुलझाने के लिए इमरान खान ने PM मोदी से जताई ये इच्छा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच मतभेद सुलझाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीविजन पर बहस करना चाहेंगे। खान ने मॉस्को की अपनी पहली यात्रा की पूर्व संध्या पर रूस के सरकारी टेलीविजन नेटवर्क 'आरटी% से साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी की। पिछले दो दशक में पहली बार कोई पाकिस्तानी प्रधानमंत्री रूस की यात्रा कर रहा है। अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान खान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता करेंगे और प्रमुख क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों पर चर्चा करेंगे।

खान ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''मैं नरेंद्र मोदी के साथ टीवी पर बहस करना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि यदि भारत और पाकिस्तान के बीच मतभेदों को बहस के जरिए सुलझाया जा सकता है, तो यह उपमहाद्वीप के लोगों के लिए बहुत अच्छी बात होगी। खान ने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि जब उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ 2018 में सत्ता में आई थी, तो उन्होंने भारत से तत्काल संपर्क किया था और भारतीय नेतृत्व से वार्ता के जरिए कश्मीर मामला सुलझाने को कहा था। उन्होंने कहा कि भारत ने उनकी पहल का कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया। भारत में आतंकवादी संगठनों द्वारा 2016 में पठानकोट वायु सेना अड्डे पर किए गए आतंकवादी हमले के बाद दोनों पड़ोसी देशों के संबंध और खराब हो गए थे।

कई हमलों ने संबंध बदतर कर दिए

उरी में भारतीय सेना के शिविर पर हुए हमले समेत इसके बाद किए गए कई हमलों ने संबंध बदतर कर दिए। इसके बाद, भारत ने पुलवामा आतंकवादी हमले के जवाब में 26 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान के भीतर घुसकर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर युद्धक विमानों से हमला किया। भारत ने अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा की, जिसके बाद संबंध पहले से भी और खराब हो गए। भारत पाकिस्तान से बार-बार कहता रहा है कि जम्मू-कश्मीर देश का अहम हिस्सा ''था, है और रहेगा।

यूक्रेन संकट: ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन में बंद किया दूतावास

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन में'बढ़े हुए खतरे के कारणपश्चिमी यूक्रेन स्थित ल्विव शहर में अपना दूतावास बंद कर दिया है। सीएनएन के अनुसार ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मैरिस पायने ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने एक बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलिया सरकार ने अधिकारियों को यूक्रेन छोड़ने के निर्देश दिए हैं और सभी नागरिकों से तुरंत यूक्रेन छोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन छोड़ने में नागरिकों की मदद करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों को पूर्वी पोलैंड और रोमानिया में तैनात किया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया ने 13 फरवरी को यूक्रेन की राजधानी कीव में अपना दूतावास अस्थायी रूप से बंद कर ल्विव के एक कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया था लेकिन मंगलवार को ल्विव कार्यालय भी बंद कर दिया गया। विदेश मंत्री ने पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में दो मॉस्को समर्थक क्षेत्रों को मान्यता देने के रूस के फैसले का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और दुनिया की दूसरी सरकारों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रही है ।

रूस पर प्रतिबंधों का दौर शुरू, जर्मनी ने रूसी गैस पाइपलाइन को किया रद्द

जर्मनी । जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने मंगलवार को कहा कि उनके देश ने नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन के प्रमाणन की प्रक्रिया को रोकने के लिए कदम उठाए हैं, क्योंकि पश्चिमी देश यूक्रेन संकट के मद्देनजर रूस के खिलाफ दंडात्मक उपाय कर रहे हैं। शोल्ज ने बर्लिन में संवाददाताओं से

कहा कि उनकी सरकार यूक्रेन में रूस की कार्रवाई के जवाब में यह कदम उठा रही है।

रूस से पाइपलाइन के जरिये जर्मनी तक प्राकृतिक गैस लाने की अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश लंबे समय से आलोचना करते रहे हैं। इन देशों का कहना है कि यह रूसी ऊर्जा आपूर्ति पर यूरोप की निर्भरता को बढ़ाता है। शोल्ज ने कहा कि सरकार ने पाइपलाइन के प्रमाणीकरण के ''पुनर्मूल्यांकन का निर्णय लिया है, जिसका संचालन नवीनतम घटनाक्रमों के आलोक में अभी तक शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, ''अगर मैं कहूं तो इसमें निश्चित रूप से समय लगेगा।

यूक्रेन संकट: सांसदों ने पुतिन को रूस के बाहर सैन्य बल प्रयोग की अनुमति दी

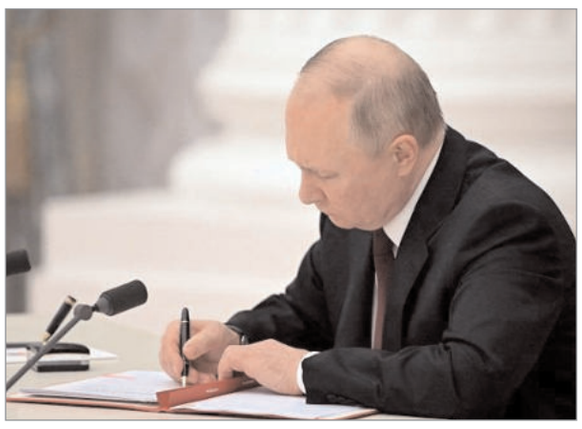

मॉस्को। रूसी सांसदों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को देश के बाहर सैन्य बल प्रयोग करने की मंगलवार को अनुमति दे दी। इस कदम से यूक्रेन पर रूस के व्यापक हमले की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका ने कहा है कि यूक्रेन पर पहले ही हमला हो चुका है। रूसी संसद के ऊपरी सदन 'फेडरेशन काउंसिल ने रूस से बाहर सैन्य इस्तेमाल की पुतिन को अनुमति देने के लिए सर्वसम्मति से वोट दिया।

इससे पूर्वी यूक्रेन में विद्रोही क्षेत्रों में रूसी सैन्य तैनाती को औपचारिक रूप प्रदान हो गया। इन क्षेत्रों में आठ वर्ष पुराने संघर्ष में करीब 14,000 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले, पश्चिमी देशों के नेताओं ने कहा था कि रूस के सैनिक यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में पहुंच गए हैं। अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती का जिक्र करते हुए रूस के इस कदम को अब आक्रमण करार दिया है। अमेरिका यूक्रेन संकट के शुरू में इस शब्द का इस्तेमाल करने से हिचकिचाता रहा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि इस कदम के परिणामस्वरूप अमेरिका रूस पर कड़ी पाबंदियां लगाएगा।

इससे पहले दिन में कई पश्चिमी देशों के नेताओं ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के विद्रोहियों के नियंत्रण वाले इलाकों की स्वतंत्रता को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा मान्यता दिए जाने के बाद रूसी सैनिक इन इलाकों में प्रवेश कर गए हैं, लेकिन कुछ नेताओं ने संकेत दिया कि यह यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण के समान नहीं है। वहीं, व्हाइट हाउस के प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने कहा, हमारा मानना है कि यह आक्रमण की शुरुआत है। यूक्रेन पर रूस से नए आक्रमण की शुरुआत।

यूक्रेन को लेकर रूस के कदम को अमेरिका ने बताया आक्रमण, दूसरे देशों ने भी दी प्रतिक्रिया

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने पूर्वी यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती का जिक्र करते हुए रूस के इस कदम को अब आक्रमण करार दिया है। अमेरिका यूक्रेन संकट के प्रारंभ में इस शब्द का इस्तेमाल करने से हिचकिचाता रहा है। वहीं, राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि इस कदम के परिणामस्वरूप अमेरिका रूस पर कड़ी पाबंदियां लगाएगा।

इससे पहले दिन में कई पश्चिमी देशों के नेताओं ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के विद्रोहियों के नियंत्रण वाले इलाकों की स्वतंत्रता को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा मान्यता दिये जाने के बाद रूसी सैनिक इन इलाकों में प्रवेश कर गए हैं, लेकिन कुछ नेताओं ने संकेत दिया कि यह यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण के समान नहीं है। हालांकि व्हाइट हाउस ने अपने रुख में बदलाव के संकेत दिये हैं।

प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने कहा, हमारा मानना है कि यह आक्रमण की शुरुआत है। यूक्रेन पर रूस से नए आक्रमण की शुरुआत।

अमेरिका के एक अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा कि व्हाइट हाउस ने जमीनी स्थिति को देखते हुए रूस की कार्रवाई को आक्रमण कहना शुरू किया है।

वहीं दूसरे देशों ने भी रूस के कदम पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

ब्रसेल्स- यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि ईयू कई रूसी अधिकारियों के साथ-साथ रूसी सशस्त्र बलों को वित्तपोषित करने वाले बैंकों पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार है। इसके उद्देश्य यूरोपीय संघ की पूंजी और वित्तीय बाजारों तक मास्को की पहुंच को सीमित करना भी है।

मंगलवार को एक बयान में कहा गया है कि यूरोपीय संघ के इस कदम के जरिये उन लोगों को निशाना बनाया जाएगा जो पूर्वी यूक्रेन में विद्रोहियों के कब्जे वाले दो क्षेत्रों को मान्यता देने के अवैध निर्णय में शामिल है।

यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री मंगलवार को बैठक कर पाबंदियों पर चर्चा करने वाले हैं।

हंगरी: हंगरी के रक्षा मंत्री टिबोर बेंको ने कहा कि सेना संभावित मानवीय और सीमा सुरक्षा अभियानों की तैयारी के लिए यूक्रेन की सीमा के पास सैनिकों और उपकरणों को तैनात करेगी।

हंगरी की समाचार एजेंसी एमटीआई ने खबर दी कि

टिबोर बेन्को के अनुसार प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने सशस्त्र समूहों को हंगरी के क्षेत्र में संभावित रूप से प्रवेश करने से रोकने के लिए सेना को देश की पूर्वी सीमा पर तैनात करने का आदेश दिया।

बेन्को ने कहा कि उनका मानना है कि रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के आगे बढ़ने से यूक्रेन की पश्चिमी सीमा पर सशस्त्र गतिविधियां हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि अधिक संघर्ष के मद्देनजर हंगरी के सैनिकों को यूक्रेनी शरणार्थियों के संभावित आगमन के लिए तैयार रहने की आवश्यकता होगी।

रक्षा मंत्री आर्टिस पाब्रिक्स ने मंगलवार को द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यूरोपीय देशों और उनके सहयोगियों के लिए रूस पर प्रतिबंध लगाने का समय आ गया है।

लातविया के रक्षा मंत्री आर्टिस पाब्रिक्स ने दुनिया के नेताओं से यूक्रेन में रूसी आक्रमण को रोकने के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

पाब्रिक्स ने मंगलवार को द एसोसिएटेड प्रेस से कहा यूरोपीय देशों और उनके सहयोगियों के लिए रूस पर प्रतिबंध लगाने का समय आ गया है।

बर्लिन: जर्मनी के चांसलर ओलाफ शॉल्ज ने कहा कि हो सकता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने का बहाना ढूंढ रहे हों।

शॉल्ज ने मंगलवार को कहा कि जर्मनी और अन्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में स्पष्ट किया कि पूर्वी यूक्रेन में विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के रूस के फैसले का दुनिया में कोई समर्थन नहीं करता।

शॉल्ज ने बर्लिन में एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने रूस से जर्मनी तक नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन के निलंबन की घोषणा की।

दमिश्क : सीरिया के विदेश मंत्री फैसल मिकदाद ने पूर्वी यूक्रेन में विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्रों की स्वतंत्रता को रूस द्वारा मान्यता दिये जाने की प्रशंसा करते हुए इसे विश्व शांति की रक्षा की दिशा में एक कदम बताया है।

सीरिया की समाचार एजेंसी सना की खबर के अनुसार मिकदाद ने रूस की यात्रा के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम लंबे समय से दोनेत्सक और लुहान्स्क गणराज्यों के साथ सहयोग कर रहे हैं, और हमें विश्वास है कि ये मौजूदा स्थितियां इस सहयोग को बढ़ाने में मदद करेंगी।

अंकारा: तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन ने कहा है कि पूर्वी यूक्रेन में दो अलगाववादी क्षेत्रों को मान्यता देने का रूस का निर्णय अस्वीकार्य है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करने का आह्वान किया है।

अफ्रीका के तीन देशों के दौरे के दौरान तुर्की के पत्रकारों से बात करते हुए,अर्दोआन ने कहा कि यह निर्णय यूक्रेन की राजनीतिक एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का स्पष्ट उल्लंघन है ।

एर्दोगन ने कहा, हम रूस के इस फैसले को अस्वीकार्य मानते हैं।

400 कोरोना वॉरियर्स को किया गया सम्मानित

वॉरियर्स के समर्पण और कर्मठता को देखकर अभिभूत हूं: शुक्ल

नई दिल्ली।

कोरोना काल में अपनी जान की बाजी लगाकर लोगों की सहायता करने वाले कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में पश्चिमी दिल्ली के मोहन गार्डन स्थित कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कमल मॉडल स्कूल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में 400 के करीब कोरोना वॉरियर्स को सम्मानित किया गया। इनमें करीब 250 सिविल डिफेंसकर्मी, डॉक्टर, नर्स, पुलिस, कर्मचारी, टीचर और पत्रकार समेत 400 लोग शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. विनोद बब्बर ने किया। वहीं, कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए प्रसिद्ध शिक्षाविद, राष्ट्र किंकर के अध्यक्ष एवं ओरछा के राजा की रामलीला के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वीपी टंडन ने बताया कि इस दौरान दो अलग-अलग कार्यक्रम किए गए, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रजिस्ट्रार (विधि) ओ पी व्यास और राष्ट्रपति अवॉर्डी दिल्ली फायर सर्विस के डिप्टी चीफ धर्मपाल भारद्वाज सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा निर्भया की मां आशा सिंह, अरुण कुमार झा, अजीत गौर, डॉ. वीरेंद्र गर्ग, बलराम गुप्ता के अलावा अन्य गणमान्य मौजूद रहे। इस अवसर पर कोरोना वॉरियर्स के जज्बा और साहस को सलाम करते हुए डॉ. रमाकांत शुक्ल ने कहा कि कोरोना को नियंत्रित रखने और इसकी सभी लहरों को रोकने में इन कोरोना वॉरियर्स का सबसे बड़ा हाथ रहा। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों में पीड़ित व्यक्ति की मदद को सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। कोरोना की आपदा सदियों में आया भयानक संकट है। ऐसे में पीड़ित मानवता की सेवा के लिए अपनी जान को खतरे में डालते हुए आगे आए वॉरियर्स के समर्पण और कर्मठता को देखकर मैं अभिभूत हूं।

संस्कृत के प्रचार-प्रसार में अहम योगदान निभाने वाले पद्मश्री डॉ. रमाकांत शुक्ल उपस्थित रहे। वहीं, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के उप

पेगासस जासूसी मामला: जांच समिति ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट, शुक्रवार को होगी अहम सुनवाई

नई दिल्ली।

पेगासस जासूसी मामले की जांच के लिए गठित न्यायमूर्ति रविंद्रन समिति ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। चीफ जस्टिस एन वी रमन्ना , जस्टिस आर सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोहली की खंडपीठ समिति की अंतरिम रिपोर्ट एवं अन्य जनहित याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई करेगी। इसी खंडपीठ ने पिछले साल समिति की देखरेख में तकनीकी विशेषज्ञों के जांच दल का गठन किया था। समिति द्वारा अंतरिम रिपोर्ट पेश करने की वजह से माना जाता है कि यह वह आगे की जांच के लिए अतिरिक्त समय की मांग अदालत से करेगी। खंडपीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 27 अक्टूबर 2021 को शीर्ष अदालत के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश आर वी रवींद्रन की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की एक समिति गठित थी।

यह समिति के सदस्य खंडपीठ ने समिति से आठ सप्ताह में अपनी जांच पेश करने की अपेक्षा की थी। जस्टिस रविंद्रन को सहयोग करने के लिए भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी आलोक जोशी तथा डॉ संदीप ओबरॉय को समिति का सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया था। समिति की देखरेख में तीन सदस्यीय विशेष तकनीकी जांच दल मामले की छानबीन कर रहा है। दल में सदस्य के तौर पर प्रो. नवीन चौधरी, प्रो. अश्विनी गुमस्ते और प्रो. पी. प्रबाहरण तकनीकी पहलुओं से जांच कर रहे हैं। प्रो. चौधरी, (साइबर सिक्योरिटी एंड डिजिटल फॉरेंसिक्स), डीन- नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, गांधीनगर गुजरात), प्रो. प्रबाहरण (स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग) अमृत विश्व विद्यापीठम, अमृतपुरी, केरल और डॉ गुमस्ते, इंस्टिट्यूट चेयर एसोसिएट प्रोफेसर (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से हैं।

क्या है पूरा मामला

पेगासस मामला इजरायल की निजी कंपनी एनएसओ ग्रुप द्वारा बनाए गए पेगासस जासूसी सॉफ्टवेयर भारत सरकार द्वारा कथित तौर पर खरीदने से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि इस सॉफ्टवेयर को भारत समेत दुनिया भर के बड़ी संख्या में लोगों के स्मार्ट मोबाइल फोन में गुप्त तरीके से डालकर उनकी बातचीत की जासूसी की गई। याचिकाओं में भारत सरकार पर उस जासूसी सॉफ्टवेयर को खरीद कर यहां के अनेक जाने-माने राजनीतिज्ञों, खासकर विपक्षी दलों के नेताओं, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिकारियों की अवैध तरीके से जासूसी करने के आरोप लगाए गए हैं।

केंद्र सरकार के इजरायल से पेगासस जासूसी सॉफ्टवेयर की कथित खरीद मामले में एक विदेशी अखबार के हालिया खुलासे के मद्देनजर 30 जनरी 2022 को सुप्रीम कोर्ट में एक नई जनहित याचिका दायर की गई थी। इस मामले में पहली जनहित याचिका करने वाले वकील एम. एल. शर्मा ने यह याचिका दायर कर आरोपियों पर शीघ्र प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश देने की गुहार सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश से लगाई थी। उनकी इस नई याचिका पर अभी सुनवाई होनी बाकी है।

सोनोवाल बृहस्पतिवार को विशाखापत्तनम में कई बंदरगाह परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करेंगे

नई दिल्ली।केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल बृहस्पतिवार को विशाखापत्तनम में कई बंदरगाह परियोजनाओं

का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं पीएम गतिशक्ति पहल हिस्सा हैं। इनका उद्देश्य मैरीटाइम इंडिया विजन-2030 के अनुरूप माल-ढुलाई लागत में कटौती, आपूर्ति श्रृंखला में सुधार और स्थानीय वस्तुओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, ''सोनोवाल 23 फरवरी को सागरमाला परियोजना के तहत विशाखापत्तनम में कौशल विकास सुविधा सीईएमएस (समुद्री और जहाज निर्माण में उत्कृष्टता केंद्र) का उद्घाटन करेंगे। इसका मकसद तटीय सामुदायिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में कौशल से युक्त श्रमशक्ति प्रदान करना है। सोनोवाल इस दौरान ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के कामकाज की भी समीक्षा करेंगे।

'हर घर स्वच्छ जल' के बजट पर वेबिनार को करेंगे संबोधित PM मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक घर में नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की केंद्रीय योजना के लिए बजट 2022 के कार्यान्वयन पर बुधवार को एक वेबिनार को संबोधित करेंगे। जल शक्ति मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मोदी बुधवार सुबह 10 बजे वर्चुअल

वेबिनार को संबोधित करेंगे। इस मौके पर जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं बिश्वेश्वर टुडू, प्रमुख हितधारकों के साथ ही संयुक्त राष्ट्र एजेंसी और डोमेन के तकनीकी विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे।

मंत्रालय ने बताया कि देश के 100 जिलों, 1,144 ब्लॉक, 66,647 ग्राम पंचायत और 1,37,642 गांव को'हर घर जल योजना से जोड़ा जा चुका हैं। पिछले ढाई वर्ष के दौरान देश के नौ करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल का पानी उपलब्ध कराया गया है। योजना के तहत मंत्रालय ने देश के तीन राज्यों - गोवा, तेलंगाना तथा हरियाणा और तीन केंद्र शासित प्रदेशों - अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, दादर एवं नागर हवेली, दमन और दीव तथा पुडुचेरी में 100 फीसदी घरों में नल का पानी उपलब्ध कराया गया है।

सड़कों पर मानवरहित बैरिकेड्स लगाने का कोई उद्देश्य नहीं, इससे जनता को परेशानी होती है: उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि सड़कों पर मानवरहित बैरिकेड्स लगाने का कोई उद्देश्य नहीं है और इससे जनता को परेशानी होती है। न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को शहर में बैरिकेड्स लगाने के लिए अपनाए गए प्रोटोकॉल को प्रस्तुत करने को कहा। उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र का स्वत- संज्ञान लिया, जिसे दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में कई सड़कों पर मानव रहित बैरिकेड्स लगाने के खिलाफ कार्रवाई

करने के अनुरोध को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय को भेजा गया था।

न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा, ''ओम प्रकाश गोयल (जिन्होंने पत्र लिखा था) द्वारा उठाए गए मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि सड़कों पर इन मानवरहित बैरिकेड्स का प्रथमदृष्टया कोई उद्देश्य नहीं है और वास्तव में इससे बड़े पैमाने पर जनता को असुविधा होती है। इस तरह के बैरिकेड्स का इस्तेमाल कियोस्क लगाने और वाहनों की पार्किंग के लिए भी किया गया है। अदालत ने दिल्ली पुलिस आयुक्त, दिल्ली सरकार, केंद्र और आयुक्त के माध्यम से दक्षिणी दिल्ली नगर निगम को नोटिस जारी किया और मामले को आगे की सुनवाई के लिए 13 अप्रैल को सूचीबद्ध किया।

पीठ ने कहा, ''प्रतिवादी (प्राधिकारी) सुनवाई की अगली तारीख से पहले अपनी संबंधित स्थिति रिपोर्ट दाखिल करेंगे। दिल्ली पुलिस उस प्रोटोकॉल को रिकॉर्ड में रखेगी, जिसका पालन वे शहर में बैरिकेड्स लगाने के संबंध में करते हैं।%% गोयल द्वारा 10 दिसंबर 2021 को भेजे गए पत्र का संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका दर्ज की गई थी। गोयल दिल्ली प्रदेशिक अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष होने का दावा करते हैं। उन्होंने दक्षिणी दिल्ली के कालकाजी और सीआर पार्क पुलिस थाना क्षेत्रों में मानव रहित बैरिकेड्स स्थापित करने से संबंधित शिकायतों को उठाया।

रूस से जारी तनातनी के बीच यूक्रेन से 242 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया की स्पेशल फ्लाइट दिल्ली में लैंड

नई दिल्ली। यूक्रेन और रूस के बीच बढ़ रहे तनाव के बीच एअर इंडिया का एक विमान पूर्वी यूरोपीय देश से करीब 242 भारतीयों को लेकर मंगलवार रात दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा। उड़ान संख्या एआई 1946 देर रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। इसने कीव में बोरिस्पिल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शाम करीब छह बजे (भारतीय समयानुसार) उड़ान भरी।

विमानन कंपनी ने भारतीयों को लाने के लिए एक बोइंग 787 विमान का परिचालन किया, जिसने सुबह यूक्रेन के लिए उड़ान भरी थी। इससे एक दिन पहले, एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-1947 ने नई दिल्ली से भारतीय समयानुसार सुबह करीब साढ़े सात बजे उड़ान भरी थी, जो यूक्रेन में कीव स्थित हवाई अड्डे पर अपराह्न करीब तीन बजे पहुंची।

विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने रात लगभग 9.46 बजे कहा था कि विभिन्न राज्यों के करीब 250 भारतीय मंगलवार रात यूक्रेन से दिल्ली लौट रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट में कहा था कि यूक्रेन से लौटने वाले भारतीयों की मदद के लिए आने वाले दिनों में और अधिक उड़ानें परिचालित की जाएंगी।

भारत की मानवीय सहायता, अफगानिस्तान के लिए 2500 मीट्रिक टन गेंहूं की पहली खेप रवाना

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के साथ महीनों तक चली बातचीत के बाद अंतत- अटारी-वाघा सीमा के जरिए सड़क मार्ग से मानवीय सहायता के तहत 50 ट्रकों में 2500 मिट्रिक टन गेहूं की पहली खेप अफगानिस्तान के लिये रवाना की। 22 फरवरी को अमृतसर में एक समारोह में सड़क मार्ग से पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान के लिये मानवीय सहायता के तहत 50 ट्रकों में 2500 मिट्रिक टन गेहूं की पहली खेप रवाना की गई। इस समारोह में विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला के साथ अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मंमूदजई और विश्व खाद्य कार्यक्रम के कंट्री निदेशक बी पराजुली मौजूद थे।

अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के लिये संयुक्त राष्ट्र की अपील के मद्देनजर भारत सरकार ने अफगानिस्तान के लोगों को 50 हजार मिट्रिक टन गेहूं तोहफे के रूप में देने का निर्णय किया था । इसमें कहा गया है कि इसकी आपूर्ति भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के माध्यम से होगी और इसे आईसीपी अटारी (भारत) द्वारा अफगानिस्तान के परिवहनकर्ताओं के जरिये जलालाबाद (अफगानिस्तान) पहुंचाया जायेगा। गौरतलब है कि भारत ने सड़क मार्ग से पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को 50,000 टन गेंहू भेजने के लिए ट्रांजिट सुविधा का अनुरोध करते हुए सात अक्टूबर, 2021 को इस्लामाबाद को प्रस्ताव भेजा था, जिस पर उसे 24 नवंबर, 2021 को जवाब मिला।

30 वर्षों टूटी से हुई सड़क का स्थानीय विधायक एसके बग्गा जी ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। आज कृष्णा नगर आनंदपुर ट्रस्ट के सामने 30 वर्षों टूटी हुई सड़क का आज स्थानीय विधायक एसके बग्गा जी ने उद्घाटन किया उन्होंने बताया यहां ट्रस्ट द्वारा जो लोग टेस्ट करवाने आते हैं और जो स्वामी जी के दर्शन के लिए आते हैं इस खराब रोड से गुजरने पर बहुत प्रॉब्लम होती है इसलिए विधायक फंड से मैं यह रोड बनवा रहा हूं स्वामी जी ने कहा अब विधायक द्वारा जो यह रोड बनाई जा रही है यह एक सराहनीय कार्य है और हमारे विधायक द्वारा हर एक काम क्षेत्र में किया जा रहा है वहीं शालिनी जुगल अरोड़ा ने बताया कि यह सड़क के कई वर्षों से नहीं बनी थी जो आज इस सड़क का उद्घाटन किया जा रहा है यह जल्द पूरी हो जाएगी और क्षेत्र में कई सड़कें जो खराब पड़ी हैं उनका भी कार्य जल्द शुरू हो जाएगा हमारे विधायक द्वारा क्षेत्र में सीवर पानी और सड़कों पर पूरा जोर दिया जा रहा है और साथ ही में जुगल अरोड़ा ने कहा जहां जहां हमें खराब पानी की समस्या आई वहा नई पाइप लाइन डालकर हमने वह समस्या भी दूर करदी है और आने वाले समय पर हर एक समस्या का समाधान जल्द होगा चाहे वह सीवर हो या सीवर पानी सड़कें आदि सब काम

जल्द किए जाएंगे विधायक एसके बग्गा जी द्वारा वहां पर स्थानीय निवासी सभी उपस्थित रहे बलदेव छाबड़ा विकास बग्गा दीपक सरीन विकास जैन लकी भाई हर्षित वाही रवि चौधरी ।

मोलड़बन्द गाँव स्थित चौधरी बाबा मौला पार्क के सौंदर्यीकरण का कार्य दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी जी द्वारा कराया जा रहा है। विधायक प्रतिनिधि श्री सुरेंद्र सिंह बिधूड़ी ने समस्त ग्राम वासियों सहित विकास कार्य का निरीक्षण किया।

हद से ज्यादा गिरा इंसान! लड़की की हत्या कर लाश से किया रेप

नई दिल्ली। पत्नी की सहेली की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी अमन है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया है कि हत्या करने के बाद अमन ने युवती के शव के साथ संबंध बनाए थे। वारदात के बाद आरोपी उसको अर्धनग्न अवस्था में अपने ही बेडरूम में छोड़कर फरार हो गया था। कुछ देर बाद जब अमन की पत्नी घर पहुंची तो उसने युवती को अपने कमरे में मृत पाया। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी थी।

हालांकि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी ने मृतका के साथ संबंध बनाए या नहीं इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद हो पाएगा। अगले ही माह युवती की शादी होने वाली थी। उसके पिता शादी के कार्ड बांटने गांव गए हुए थे। पुलिस आरोपी अमन से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग की बात बेबुनियाद, बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस प्रताड़ना: सीतारमण

नई दिल्ली।

वित्त और कंपनी मामलों की केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी की नेता निर्मला सीतारमण ने विपक्ष के इस आरोप को मंगलवार को 'बेबुनियाद बताया कि केंद्र सरकार विरोधियों को डराने-दबाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि वास्तव में पूछा यह जाना चाहिए कि पश्चिम बंगाल में क्या हो रहा है जहां पुलिस की मदद से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है।

वित्त मंत्री बजट 2023 पर उद्योग-व्यापार, वित्तीय क्षेत्र और अन्य हितधारकों के साथ चर्चा के लिए मुंबई के दो दिन के अपने दौरे के आखिरी दिन संवाददाताओं के सवालों का

जवाब दे रही थीं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है ,जब अभी कुछ दिन पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मुंबई की यात्रा में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात के बाद केंद्र की भाजपा सरकार पर विपक्षी दलों को डराने दबाने के लिए उनके विरुद्ध केंद्रीय जांच ऐजेंसियों के इस्तेमाल का आरोप लगाया था।

इसी तरह के अरोप पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी लगा चुकी हैं। उन्होंने शिवसेना के नेताओं के साथ मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री राव और दूसरे विपक्षी नेताओं द्वारा केंद्र पर विरोधियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल किए जाने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''इस तरह के आरोप बेबुनियाद हैं। ये विपक्षी दल इस तरह के राजनीतिक बयान देते रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''एक मिनट के लिए यह मान भी लें कि विपक्ष के इन आरोपों में कुछ सच्चाई है तो भी वे सरेआम बयान दे रहे हैं। तो कहां दमन हो रहा है? कोई दमन नहीं है। उन्होंने महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर संकेत करते हुए कहा कि सरकार की ओर से किसी पर कोई दबाव या डर नहीं है, तीनों मिल गए हैं और मिल कर इस तरह के दबाव की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि ये विपक्षी पार्टियां गठबंधन के लिए मिल रही हैं, तो वे मिलें। लोकतंत्र में सबको मिलने और गठबंधन करने का हक है, लेकिन दमन की बात नहीं करनी चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी का नाम लिए बिना उन पर तीखा हमला करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पुलिस की मदद से विरोधियों का दमन किया जा रहा है। वे हम पर इस तरह का (विरोधियों के खिलाफ एजेंसियों के इस्तेमाल का) आरोप नहीं लगा सकते। इसी संदर्भ में सीतारमण ने कहा, ''हमें उनसे पूछना चाहिए कि बंगाल में क्या हो रहा है? वे (बंगाल सरकार) राज्य पुलिस बल का प्रयोग कर के हर कार्यकर्ता (भाजपा कार्यकर्ता) को परेशान कर रही है। उस सरकार को बेबुनियाद बातें नहीं करनी चाहिए।

'संसद रत्न पुरस्कार' के लिए सुप्रिया सुले और अमर पटनायक समेत 11 सांसदों का चयन

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता सुप्रिया सुले और बीजू जनता दल के अमर पटनायक के नाम 'संसद रत्न पुरस्कार 2022 के लिए सूचीबद्ध किए गए हैं। 'प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संस्था की निर्णायक समिति ने तमिलनाडु से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एच.वी. हांडे और कर्नाटक से ताल्लुक रखने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोइली को 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए नामित किया है। इसके साथ ही कृषि, वित्त, शिक्षा और श्रम से संबंधित संसद की चार समितियों को उनके योगदान के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। फाउंडेशन ने एक बयान में कहा कि जिन 11 सांसदों के नामों को 'संसद रत्न पुरस्कार के लिए सूचीबद्ध किया गया है उनमें लोकसभा के आठ और राज्यसभा के तीन सदस्य शामिल हैं। बयान के मुताबिक, राकांपा की सुप्रिया सुले, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के एन.के. प्रेमचंद्रन और शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बार्ने को उनके सतत उत्कृष्ट कामकाज के लिए 'संसद विशिष्ट रत्न पुरस्कार दिया जाएगा।

सम्पादकीय

मतदान के पहले समझना होगा लुभावने वायदों का मर्म

डा. रवीन्द्र अरजरिया

चुनावी महासंग्राम में आम मतदाता को सब्जबाग दिखाने का क्रम थम नहीं रहा है। जिस क्षेत्र में ज्यों ही मतदान की तारीख नजदीक आती है त्यों ही वहां के लोगों को मुफ्त सुविधायें देने, तनख्वाह में बढोत्तरी करने और रोजगार मुहैया कराने के जैसे वायदों की होड लग जाती है। यह वायदा-षडयंत्र भी कोरोना की तरह रफ्तार पकडने लगा है। हरामखोरी की आदतें जड़ जमाने के लिए तैयार खडीं हैं। कथित गरीबों की सूची निरंतर बढती जा रही है। उसमें नामों को जोडने से लेकर कटने से बचाने तक का सुविधा शुल्क निर्धारित होने की चर्चायें जोरों पर हैं। वास्तिवकता तो यह है कि आज देश में शायद ही कोई गरीब होगा। गरीबों को भोजन देने की नियत से निकले व्यक्ति को पूरे शहर में घूमने के बाद भी यदि कोई व्यक्ति मिल जाये तो भाग्य ही है। भीख मांगने का धंधा करने वाले भी अब भोजन के स्थान पर रुपयों की मांग करने लगे हैं। कोरोना के नाम पर मुफ्त में बांटा जाने वाले सामान की खुले बाजार में बिक्री की अनेक घटनायें उजागर हो चुकीं हैं। फिर वायदों की मृगमारीचिका आखिर किसके लिए फैलाई जा रही है। निश्चित है कि हरामखोरी करने वाले मक्कार लोगों की जमात के लिए। इस पूरे मायाजाल के अंदर जाने पर स्पष्ट दिखाई देता है कि जितनी भी सुविधायें मुफ्त में देने की योजनायें लागू होतीं है, मंहगाई उतनी ही तेजी से बढ़ती है। वेतन बढाने के साथ ही वस्तुओं का मूल्य आसमान छूने लगता है। वस्तुओं के मूल्य निर्धारण के लिए उत्तरदायी विभाग ने कर्तव्यों के प्रति उपेक्षा और अधिकारों के प्रति सजगता दिखाने की अपनी आदत में तो अब चार चांद भी लगा लिये हैं। वर्तमान में हालात यह है कि चार-पांच माह की कडी मेहनत से साग-भाजी उगाने वाले लोगों को एक किलो टमाटर के दाम केवल 10 रुपये मिल रहे हैं। बीच के दलाल उसी 10 रुपये के टमाटर को महानगरों में ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। छ: माह जी-तोड मेहनत करके आनाज पैदा करने वाले किसानों को एक किलो आनाज के बदले में मात्र 21 रुपये ही प्राप्त हो रहे हैं। जिन वस्तुओं से शरीर की सांसों को निरंतर रखा जा सकता है, आज उसी का वरदान देने वालों की हथेली पर चन्द सिक्के ही आ रहे हैं। उन्हें साइकिल का पंचर जुडवाने में पसीना आ जाता है। जबकि दूसरी ओर भौतिक सुख परोसने वालों की अट्टालिकायें तो अब शीशमहल में बदलती चलीं जा रहीं है। कारों का कारोबार तो दूर की बात आज दो पहिया वाहनों की कीमत ही लाख रुपये से ज्यादा हो गई है। इनमें निरंतर भरवाये जाने वाले पेट्रोल का खर्जा अलग से। मरम्मत, सर्विसिंग आदि की समस्यायें तो साथ में ही आतीं हैं। वास्तविकता यह है कि शरीर की आवश्यकता की पूर्ति कराने वालों को निरंतर दयनीय बनाने का कुचक्र चल रहा है जबकि शरीर को सुख के दलदल में फंसाने वालों को चांदी की कटोरियों में भोजन करते रहने के अवसर दिये जा रहे हैं। सरकारों व्दारा वोट बैंक में इजाफा करने हेतु एक खास वर्ग को मुफ्त में दी जाने वाली सुविधायें वास्तव में आने वाले समय में टैक्स की बाढ होती है। सरकारें अपने खजाने को टैक्स, जुर्माना, शुल्क के रूप में होने वाली आय से भरती है। इस धनराशि को जुटाने हेतु ईमानदार करदातों की मेहनत की कमाई में खूनी सैंध लगाई जाती है। निरीह लोगों को कानून का डंडा मार-मारकर लहूलुहान करने की परम्परा हमारे देश में आक्रान्ताओं की आमद के साथ ही शुरू हो गई थी। स्वाधीनता के बाद से निरंतर उसी धर्म का निर्वहन किया जा रहा है। कुल मिलाकर ईमानदार करदाताओं का गला दबाने के बाद खून में सने पैसों से हरामखोरों के लिए भौतिक सुविधायें बांटने का ढिंढोरा है मुफ्त सुविधायें देने के चुनावी वायदे। राजनैतिक दलों के व्दारा वास्तविकता छुपाकर आम आवाम को निरंतर गुमराह किया जाता रहा है। लोगों की नासमझी का लाभ उठाने वाले लोग पर्दे के पीछे से स्वयं के लाभ का रास्त खोज निकालते हैं। नागरिकों को लाभ देने की प्रत्यक्ष घोषणा के पीछे उनका निजी स्वार्थ ठहाके लगा रहा होता है, जिसकी गूंज किसी को सुनाई नहीं देती। विकास के नाम पर एक ही रास्ते पर अनेक बार सडकों का निर्माण करने के प्रमाण आज भी जमीन के नीचे दफन हैं। यह दस्तावेज आने वाले समय के मोहनजोदडों हडप्पा जैसी खुदाई में निश्चित रूप से सामने आयेंगे। चुनावों के परिणाम आने के बाद नव-निर्वाचित सरकारें अपनी प्राथमिकताओं का गुप्त एजेन्डा तैयार करेंगी। सत्ताधारी दल की मानसिता से जुडे खास प्रशासनिक अधिकारियों की टीम को योजनायें बनाने, योजनाओं का मनचाहा क्रियान्वयन करने और पूर्व निर्धारित आंकडों का प्रचार करने की मुहिम में लगा दिया जायेगा ताकि निकट भविष्य में देश के अन्य स्थानों पर होने वाले चुनावों में माडल-रोल निभाया जा सके। ऐसे में सरकार के अनेक स्थाई कर्मचारी-अधिकारियों को लाभ के विस्त्रित अवसर प्राप्त होंगे। खद्दर के संरक्षण में चलने वाली आउट सोसिंग की कम्पनियों को सरकारी कामों में जोडा जायेगा। आउट सोसिंग के नाम पर बेराजगारी हटाने के नये आंकडे सार्वजनिक करके स्वयं की पीठ ठोकने हेतु सरकारी विज्ञापनों को होडिंग्स के रूप में जगह-जगह टंगवाया जायेगा। इस काम में भी कुछ खास एड-एजेन्सियां ही सक्रिय होंगी। मगर काम का बोझ केवल और केवल बेचारे संविदाकर्मियों या फिर दैनिक वेतन पर लगये गये लोगों की पीठ पर प्रताडना की हद तक लादा जायेगा। उनसे संविदा समाप्ति की धमकी और दैनिक काम न देने की प्रताडना देकर दिन-रात काम करने के लिए बाध्य किया जायेगा। भ्रष्टाचार के आरोपों का ढीकरा भी संविदाकर्मियों या दैनिक वेतन भोगियों पर फोड कर स्थाई कर्मचारी-अधिकारी बच निकलेंगे। अभी तक ऐसा ही होता आया है। अभी तक किसी भी सरकार ने स्थापित होने के बाद वेतन विसंगतियों, समान वेतन-समान काम, एक देश-एक कानून जैसी दिशा में दो कदम भी चलने का मन नहीं बनाया जबकि इन्हीं मूल मंत्रों से ही मंहगाई पर नियंत्रण, विभाजन पर अंकुश और स्वतंत्रता को स्वच्छन्दता में बदलने वालों पर कुठाराघात करने का काम हो सकता है। मगर देश की राजनीति ने तो आक्रान्ताओं का फूट डालो-राज करो की नीति को अपना गुरुमंत्र मान लिया है।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी का चुनावी सफर ,2022 में क्या होगी चुनावी डगर?

वीरेंद्र कुमार जाटव

बहुजन समाज पार्टी का गठन 14 अप्रैल 1984 को मान्यवर कांशीराम जी के द्वारा किया गया था .उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी ने शानदार और ऐतिहासिक चुनावी प्रदर्शन के कारण 2007 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी

1989 से लेकर 2017 के विधानसभा चुनाव परिणामों की एक रिपोर्ट कार्ड आपके समक्ष हैं. 1989 में उत्तर प्रदेश की 10 वी विधानसभा के चुनाव संपन्न हुये इन चुनावों में बसपा 13 विधानसभा सीटें जीत पाई और 33त्न वोट प्राप्त हुए. 1991 में 11 वी में यूपी के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 384 सीटों पर चुनाव लड़ा और 12 विधानसभा सीटें मिली. इस बार बसपा को 8.26 वोट प्राप्त हुए. 1993 में उत्तर प्रदेश की 12 वी विधानसभा सभा के लिए चुनाव कराए गए इस चुनाव में बहुजन समाज पार्टी ने 163 सीटों पर चुनाव लड़ा जिनमें से 67 सीटें जीती और मत प्रतिशत करीब 11त्न रहा

1993 में विधानसभा चुनाव के लिए बसपा का सपा के साथ गठबंधन था इन चुनावों में समाजवादी पार्टी के 109 विधायक चुनाव जीत कर आए थे काशीराम जी के अथक प्रयासों के कारण यह समझौता हुआ और इस समझौते के कारण दोनों पार्टियों को मिलाकर 176 सीटें मिली थी. चुनाव परिणाम के बाद समाजवादी पार्टी ने बसपा के साथ मिलकर और कुछ अन्य दलों के समर्थन और निर्दलीय को मिलाकर सरकार बनाई थी . 1996 उत्तर प्रदेश की 13वी विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए.इस चुनाव में बसपा ने 296 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक बार फिर 67 सीटों पर विजय प्राप्त की लेकिन इस बार वोट प्रतिशत बसपा का करीब 20त्न हो गया था

यूपी की 14वी विधानसभा के लिए 2002 में चुनाव कराए गए बसपा ने इस बार 402 सीटों पर चुनाव लड़ा और 98 सीटें हासिल हुई इस बार भी बसपा का वोट प्रतिशत करीब 23त्न रहा .उत्तर प्रदेश की की 15 वी विधानसभा के लिए 2007 में चुनाव कराए गए और इस बार चुनाव परिणाम चौंकाने वाले रहे .इन चुनावों में बसपा को 206 सीटें मिली और पूर्ण बहुमत की सरकार बनी इन चुनावों में बसपा को 30त्न मत प्राप्त हुये.

बसपा को पूर्ण बहुमत के बारे में किसी भी भविष्यवक्ता एवं चुनावी पंडित ने कोई भविष्यवाणी नहीं की थी .इस बार सभी एग्जिट पोल्स और चुनावी सर्वे को निराधार करते हुए बहुजन समाज पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की थी यह निश्चित रूप से बहुजन समाज पार्टी की प्रगति का स्वर्ण काल था इसी समय बहुजन समाज पार्टी ने बहुजनों के महानायक के स्मृति में ऐतिहासिक स्मारक बनाए और बहुजन धरोहर को विश्व पटल पर रखने में कामयाब रहे

उत्तर प्रदेश की 16वीं विधानसभा चुनाव के लिए 2012 में चुनाव कराए गए जिसमें बसपा ने सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ा और 80 सीटों पर जीत हासिल की. इन चुनाव में बसपा को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा और बसपा का वोट 26त्न रहा. उत्तर प्रदेश की 17वी विधानसभा चुनाव के लिए 2017 में चुनाव संपन्न कराए गए इन चुनावों में भी बसपा ने 403 सीटों पर चुनाव लड़ा और मात्र 19 सीटें ही जीत पाई हालांकि चुनाव प्रतिशत 22त्न से भी अधिक रहा . लेकिन इन चुनावों में बसपा को बहुत बड़ी हार का सामना करना पड़ा जिसकी संभावना बसपा और बहुजन समाज ने भी नहीं की थी

2022 में 18वीं विधानसभा चुनाव के लिए प्रथम तीन चरणों के चुनाव 10 फरवरी 14 फरवरी 20 फरवरी को हो चुके हैं और सभी चरणों के चुनाव 7 मार्च तक हो जाएंगे

इस चुनाव में बसपा ने अकेले बिना किसी गठबंधन के चुनाव लड़ने का फैसला किया है और सभी 403 सीटों पर बसपा चुनाव लड़ने जा रही है. इस चुनाव में बसपा का अस्तित्व दाव पर लगा है हालांकि इस बार चुनाव की तैयारी समय रहते जोरदार ढंग से की गई है

सभी 75 जिलों में प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा जी के माध्यम के द्वारा किया जा चुका है इन क्षेत्रों में उच्च वर्ग विशेष कर ब्राह्मण समाज में बसपा ने एक संदेश देने काम किया है जैसा कि 2007 में बसपा ने किया था एक विशेष अभियान के तहत सभी 86 आरक्षित सीटों पर भी जोरदार तैयारी बसपा कर रही है राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा और ओबीसी नेताओं को साथ लेकर रैलियों के दौरान प्रत्याशियों की भी घोषणा की जा रही है आरक्षित वर्ग के लिए सामाजिक भाईचारे का संदेश भी दिया जा रहा है पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बसपा सबसे मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है और यहां पर जबरदस्त त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला था . पूर्वांचल में बहुजन समाज पार्टी ने सपा से नाराज मजबूत मुस्लिम प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा है जो कि बसपा के लिए फायदेमंद सौदा साबित हो रहा है इस बार जातिगत समीकरण और सोशल इंजीनियरिंग के माध्यम से बसपा ने जोरदार फील्डिंग की है लेकिन क्या परिणाम होगा यह 10 मार्च को ही मालूम पड़ेगा

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा मायावती का भी 2 अक्टूबर से मंडल वार रैलियों का सिलसिला जारी किया है आगरा की ऐतिहासिक रैली के बाद गाजियाबाद सहारनपुर अलीगढ़ बरेली लखनऊ उरई बांदा प्रयागराज में अब तक जोरदार रैली की जा चुकी है।

पूर्वी यूरोप में तनाव

सिद्धार्थ शंकर

यूक्रेन की सीमाओं पर रूस की सेना की तैनाती के चलते लगातार पूर्वी यूरोप में तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस ने अपने सवा लाख सैनिकों की तैनाती को लेकर कहा है कि उसने अब उन्हें वापस बुलाना शुरू कर दिया है, लेकिन अमेरिका और नाटो देश इस बात पर भरोसा नहीं जता रहे हैं। ऐसे में यूक्रेन में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस के बाद क्षेत्रफल की दृष्टि से यूक्रेन यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा देश है और उसका किसी भी पाले में जाना उस पक्ष को मजबूत करेगा। ऐसे में यूक्रेन बेहद अहम है और आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति के परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है। खासतौर पर रूस के लिए यूक्रेन बेहद अहम हो गया है। रूस आने वाले दिनों में महाशक्ति बनेगा या फिर महज एक देश ही रह जाएगा। इसका फैसला यूक्रेन विवाद करने की ताकत रखता है। सोवियत संघ का हिस्सा रहे लिथुआनिया, लाटविया समेत रूस के कई पड़ोसी देशों को अमेरिका ने नाटो में शामिल कर लिया है। इसे रूस की घेरेबंदी के तौर पर देखा जाता है। इन देशों में पोलैंड, नॉर्वे, एस्टोनिया भी शामिल हैं। अब अमेरिका की नजर यूक्रेन को नाटो में शामिल करने पर है। इसी पर रूस को आपत्ति है और वह किसी भी तरह के युद्ध को टालने के लिए अमेरिका से यह गारंटी चाहता है कि वह यूक्रेन को नाटो में शामिल न करे। पिछले दिनों व्लादिमीर पुतिन ने सोवियत संघ के विघटन को दुखद करार दिया था। उनकी महत्वाकांक्षा यूक्रेन को रूस में शामिल करने की है। यदि ऐसा होता है तो रूस एक महाशक्ति के तौर पर उभरेगा, जो शीत युद्ध से पहले हुआ करता था। यदि यूक्रेन नाटो में जाता है तो फिर रूस के लिए बड़ा झटका होगा। यूक्रेन को दो हिस्सों पश्चिम और पूर्व में बांटकर देखा जाता रहा है। इसमें पूर्वी यूक्रेन पर रूस का बड़ा प्रभाव है और उसकी भाषा को समझने वाले लोगों की बड़ी संख्या है। यहां रूसी मूल के लोग अकसर यूक्रेन के खिलाफ विद्रोह करते रहे हैं। यही वजह है कि एक तरफ रूस की सेना यूक्रेन की सीमा पर डटी हैं तो वहीं अंदर से भी वह मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन को रूस से अलग कर पाना पश्चिमी देशों के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा यूक्रेन की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है, जिसे रूस और कमजोर करने की कोशिश में जुटा है। अमेरिका ने पिछले दिनों इस मसले को लेकर चीन पर भी निशाना साधा था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में चीन के दौरे पर भी गए थे। दरअसल दोनों देशों के बीच बीते कई सालों में संबंध काफी मजबूत हुए हैं और कारोबार भी तेजी से बढ़े हैं। रूस अपने सामान का बड़ी मात्रा में यूरोपीय देशों को निर्यात करता है। यदि युद्ध होने की स्थिति में यूरोपीय देश उस पर बैन लगाते हैं तो फिर चीन के साथ वह कारोबार को बढ़ाकर इसकी भरपाई कर सकता है। यही वजह है कि चीन लगातार रूस के पाले में खड़ा नजर आ रहा है। इसके अलावा अमेरिका से दोनों देशों के मतभेद भी साथ आने की एक बड़ी वजह हैं। पुतिन वर्षों से यूक्रेन पर पकड़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हिल ने कहा, पुतिन ने 2006 में यूक्रेन को गैस काट दी। वह 22 साल से सत्ता में है। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन को क्रॉस हेयर में रखा है और यह समय के साथ तेज हो गया है। पुतिन वह व्यक्ति बनना चाहते हैं, जिसने अपनी अध्यक्षता में यूक्रेन को रूस में वापस लाने का काम किया। इससे वह 2036 तक राष्ट्रपति बने रह सकते हैं, जो कि उनके लिए संभव है। विश्लेषकों का कहना है कि पुतिन चाहते हैं कि रूस की परिधि के सभी देश रूस समर्थक हों। यही कारण है कि यूक्रेनी सरकार की ओर से पश्चिम के नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन के प्रति किए गए प्रस्तावों ने उन्हें नाराज कर दिया। सीआईए के रूसी कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख जॉन सिफर ने कहा, ÷वह चाहते हैं कि उनकी विरासत अतीत के जार या सोवियत संघ के प्रमुखों की तरह हो। वह रूस को एक ऐसे स्तर पर ले जाना चाहता है, जहां विश्व मंच पर उसका डर, सम्मान और गंभीरता से व्यवहार किया जाता है।

सोशल मीडिया का विष-वमन

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सोशल मीडिया आज की जिंदगी में इतना महत्वपूर्ण बन गया है कि कई लोग 5 से 8 घंटे रोज़ तक अपना फोन या कंप्यूटर थामे रहते हैं। यदि हम मालूम करें कि वे क्या पढ़ते और देखते रहते हैं तो हमें आश्चर्य और दुख, दोनों होंगे।

ऐसा नहीं है कि सभी लोग यही करते हैं। सोशल मीडिया की अपनी उपयोगिता है। गूगल तो आजकल विश्व महागुरु बन गया है। दुनिया की कौन-सी जानकारी नहीं है, जो पलक झपकते ही उस पर नहीं मिल सकती। गूगल

ने दुनिया से शब्द-कोशों, ज्ञान ग्रंथों और साक्षात गुरुओं का स्थान ग्रहण कर लिया है। उसके माध्यम से करोड़ों लोगों तक आप चुटकी बजाते ही पहुंच सकते हैं लेकिन इसी सोशल मीडिया ने भयंकर एंटी-सोशल भूमिका निभानी भी शुरू कर दिया है।

सोशल मीडिया के जरिए न केवल झूठी अफवाहें फैलाई जाती हैं बल्कि अपमानजनक, अश्लील, उत्तेजक और घृणित सामग्री भी फैलाई जाती है। इसके कारण दंगे फैलते हैं, भयंकर जन-आंदोलन उठ खड़े होते हैं और राष्ट्रों के बीच जहर भी फैल जाता है। सोशल मीडिया के जरिए सबसे विनाशकारी काम बच्चों के विरुद्ध होता है। छोटे-छोटे बच्चे भी अपने मोबाइल फोन के जरिए दिन भर अश्लील चित्रों और दृश्यों को देखते रहते हैं। वे गंभीर अपराध करने के गुर भी इसी से सीखते हैं। कई किशोर इंटरनेट के आदेशों का पालन इस हद तक करते हैं कि वे आत्महत्या तक कर लेते हैं। पिछले साल भर में ऐसी कई खबरें भारत के अखबारों और टीवी चैनलों पर देखने में आई हैं।

बच्चों को संस्कारविहीन बनाने में सोशल मीडिया का विशेष योगदान है। वे अपनी पढ़ाई-लिखाई में समय लगाने के बजाय अश्लील चित्र-कथाओं में अपना समय बर्बाद करते हैं। बैठे-बैठे लगातार कई घंटों तक कंप्यूटर और मोबाइल देखते रहने से उनकी शारीरिक गतिविधियां भी घट जाती है। उसका दुष्परिणाम उनके स्वास्थ्य पर भी प्रकट होता है। वे निष्क्रियता और अकर्मण्यता के भी शिकार बन जाते हैं।

भारत में अभी यह जहरीली बीमारी बच्चों में थोड़ी सीमित है लेकिन अमेरिका और यूरोप के बच्चे बड़े पैमान पर इसके शिकार हो रहे हैं। इसने वहां महामारी का रूप धारण कर लिया है। अमेरिकी सांसद इससे इतने अधिक चिंतित हैं कि उन्होंने अब इस सोशल मीडिया पर नियंत्रण के लिए कठोर कानून बनाने का संकल्प कर लिया है। वे शीघ्र ही ऐसा कानून बनाना चाहते है कि जिससे पता चल सके कि 16 साल से कम के बच्चे कितनी देर तक सोशल मीडिया देखते हैं। उनके माता-पिता को यह जानने की सुविधा होगी कि उनके बच्चे इंटरनेट पर क्या-क्या देखते हैं और कितनी देर तक देखते हैं। वे इंटरनेट पर जानेवाली हर प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री पर प्रतिबंध लगाएंगे।

इस तरह की कई अन्य मर्यादाएं लागू करना अमेरिका में ही नहीं, भारत और दक्षिण एशिया के देशों में उनसे भी ज्यादा जरूरी है। यदि भारत सरकार इस मामले में देरी करेगी तो भारतीय संस्कृति की जड़ें उखड़ने में ज्यादा देर नहीं लगेगी। मैं तो चाहता हूं कि भारत का अनुकरण दुनिया के सारे देश करें।

रूस-यूक्रेन विवाद पर दो धड़ों में बंटती दुनिया!

पूरी दुनिया इस विवाद के चलते धीरे-धीरे अब दो धड़ों में बंटती स्पष्ट नज़र आ रही है, एक तरफ यूक्रेन के साथ खुलकर नाटो देश व अमेरिका खड़ा है, तो वहीं दूसरी तरफ रूस के साथ चीन व सोवियत संघ के हिस्सा रहे देश खड़े हुए हैं, दुनिया के हालात बेहद तनावपूर्ण बनते जा रहे है।

यूक्रेन को नाटो देशों में शामिल करने को लेकर रूस की बेहद तल्ख आपत्ति के चलते हुआ विवाद अब धीरे-धीरे युद्ध की तरफ अग्रसर हो रहा है, आगबबूला रूस ने यूक्रेन की सीमा के नज़दीक लाखों की संख्या में अपने सैनिकों की तैनाती करके दुनिया को सोचने पर मजबूर कर दिया है, वहीं रूस के द्वारा इस समय बेलारूस के साथ युद्धाभ्यास करने के चलते इस क्षेत्र में जबरदस्त तनाव का युद्ध वाला दहशत पूर्ण माहौल पैदा हो गया है। हालांकि विश्व के अधिकांश देश बेहद करीब से पल-पल रूस-यूक्रेन के बीच उभरे जबरदस्त तनाव पर निरंतर नज़र लगाएं हुए बैठे हैं, क्योंकि इस एक छोटे से विवाद के चलते दुनिया की दो बेहद ताकतवर महाशक्तियां रूस व अमेरिका अब एक दूसरे के आमने-सामने खुलकर आ गयी हैं। रूस-यूक्रेन का यह आपसी विवाद का मसला बेहद तनाव पूर्ण हालात के चलते अब इस स्तर तक पहुंच चुका है कि लोगों को लगने लगा है कि कुछ देशों की अति महत्वाकांक्षा के चलते दुनिया के सामने एकबार फिर से विश्वयुद्ध की नींव रखने वाले युद्ध का खतरा मंडराने लगा है। वैसे भी इस संकट की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इस ज्वंलत मसले पर लगातार संपर्क में हैं और वह हालात को नियंत्रित करने के

लिए पुतिन से एक घंटे लंबी फोन पर बात तक कर चुके हैं, यह इस स्थिति की गंभीरता को दर्शाने के लिए काफी है।

वहीं अब रूस ने 18 फरवरी को ÷म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन÷ में अपने प्रतिनिधि ना भेजकर दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वह यूक्रेन मसले पर किसी भी व्यक्ति व देश के दबाव में आसानी से नहीं आने वाला है। हालांकि रूस-यूक्रेन के बीच के विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर पहल जारी है, कूटनीतिक दावपेंच पक्ष-विपक्ष के द्वारा धरातल पर लगातार चले जा रहे हैं। वहीं कुछ देश इस मामले की गंभीरता को पहचान कर हर-हाल में युद्ध टालने के लिए कार्य कर रहे हैं, वहीं कुछ देश रूस से अपना वर्षों पुराने हिसाब-किताब को बराबर करने का ख्वाब लिए सार्वजनिक रूप से ऊलजुलूल ऊटपटांग बयानबाजी करके रूस व यूक्रेन के बीच युद्ध की आग को भड़काने का कार्य कर रहे हैं। दूसरी तरफ हथियारों की तिजारत करने वाले कुछ ताकतवर देश युद्ध या उसके हालातों से अपने देशों की तिजोरी भरने की जुगत की रणनीति भी बनाने में लगे हुए हैं। लेकिन यह भी एक कटु सत्य है कि रूस-यूक्रेन सीमा पर युद्ध के माहौल के बीच हालात निरंतर बेहद तनाव पूर्ण बने हुए हैं, अमेरिका व नाटो की चेतावनी के बाद यूक्रेन हाई अलर्ट मोड पर है, वहां पर रूस के किसी भी प्रकार के हमले की स्थिति से निपटने की तैयारी युद्ध स्तर पर जारी हैं, साथ ही रूस को माकूल जवाब देने के लिए भी नाटो देशों व अमेरिका के साथ मिलकर युद्ध की रणनीति बनाने का कार्य यूक्रेन कर रहा है, यूक्रेन की मदद के लिए अमेरिकी सेना व नाटो देश के सैनिक युद्धभूमि में भूमिका निभाने के लिए तैयार बैठे हैं, अमेरिका का दुनिया के आधुनिक जंगी साजोसामान से लैस विध्वंसक ÷सांतवा जंगी बेड़ा÷ सागर की लहरों को चीरता हुआ दुनिया की नयी संभावित युद्धभूमि के लिए अग्रसर है। हालात ऐसे बन गये हैं कि किसी भी एक पक्ष की नादानी पूरी दुनिया को युद्ध में झोंक सकती है।

इसे भी पढ़ें- यूक्रेन के राष्ट्रपति का राष्ट्र को संबोधन, रूस को कहा- हम किसी से डरते नहीं हैं

पूरी दुनिया इस विवाद के चलते धीरे-धीरे अब दो धड़ों में बंटती स्पष्ट नज़र आ रही है, एक तरफ यूक्रेन के साथ खुलकर नाटो देश व अमेरिका खड़ा है, तो वहीं दूसरी तरफ रूस के साथ चीन व सोवियत संघ के हिस्सा रहे देश खड़े हुए हैं, दुनिया के हालात बेहद तनावपूर्ण बनते जा रहे है। क्योंकि अधिकांश देश अभी तो कोरोना महामारी के चलते उत्पन्न मंदी के भयावह प्रकोप से उभर ही नहीं पाये है, ऊपर से यूक्रेन-रूस के तनाव के चलते दुनिया पर युद्ध के बादल मंडराने लग गये हैं। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव के कारण उत्पन्न संकट का असर वैश्विक बाजार पर स्पष्ट रूप से दिखने लग गया है, भारत भी अब इससे अछूता नहीं रहा है, इस विवाद के चलते भारत के घरेलू शेयर बाजार में भी कोहराम मच गया और सेंसेक्स करीब साढ़े पांच महीने के निचले स्तर पर आकर के लोगों की गाढ़ी कमाई को चंद मिनटों में ही डुबोने का काम कर गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञों की राय माने तो रूस-यूक्रेन का यह विवाद देश के बहुत सारे सेक्टरों में जबरदस्त ढंग से महंगाई को बढ़ावा देने का कार्य करेगा, इसका व्यापक असर भारत में राजनीतिक, कूटनीतिक व आर्थिक रूप से हो सकता है, वैसे भी भारत की जनता जबरदस्त महंगाई के प्रकोप को लंबे समय से झेल कर बेहद परेशान है, जिसको आने वाले समय में रूस-यूक्रेन का विवाद और विकट बना सकता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सार समाचार

कोरोना काल में करोड़पतियों की संख्या में इजाफा

-खुश बताने वालों की संख्या में आई गिरावट

नई दिल्ली। कोरोनाकाल में भले ही अर्थव्यवस्था के सुस्त पड़ने की बात की जाती रही हो पर इस संकट के समय को भी कुछ अमीरों ने अवसरों में बदल लिया। इस दौरान भारी संख्या में लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, कई ऐसे लोग रहे, जिनकी संपत्ति में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी से प्रभावित वर्ष 2021 में भारत में ह्यडॉलर मिलियनरीह्ल यानी सात करोड़ रुपये से अधिक की निजी संपत्ति वाले व्यक्तियों की संख्या 11 फीसदी बढ़कर 4 .58 लाख हो गई। हालांकि, इस दौरान निजी और पेशेवर जीवन में खुद को खुश बताने वालों की संख्या में गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खुद को खुश बताने वालों की संख्या कम होकर पिछले साल 66 फीसदी रह गई, जो 2020 में 72 फीसदी रही थी।

रिपोर्ट के ये निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं, जब भारत में अमीरों एवं गरीबों के बीच बढ़ती असमानता को लेकर चिंता बढ़ रही है। हाल में एक और रिपोर्ट में भी इस असमानता पर चिंता जताई गई थी। बेहद अमीर लोगों पर अधिक टैक्स लगाने की लगातार तेज होती मांग के बीच इस सर्वेक्षण में शामिल एक-तिहाई से भी कम लोगों का ही यह मानना है कि अधिक टैक्स चुकाना सामाजिक जिम्मेदारी का एक निर्धारित अवयव है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2026 तक भारत में ह्यडॉलर मिलियनरीह्ल की संख्या 30 फीसदी बढ़कर छह लाख तक पहुंच जाएगी। रिपोर्ट कहती है कि मुंबई में सबसे अधिक 20,300 डॉलर मिलियनरी हैं। इसके बाद दिल्ली में 17,400 और कोलकाता में 10,500 डॉलर मिलियनरी परिवार हैं।

इस सर्वेक्षण में शामिल दो-तिहाई से अधिक डॉलर मिलियनरी ने कहा कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के लिए विदेश भेजना पसंद करेंगे, जिसमें अमेरिका उनकी पहली पसंद है। एक चौथाई डॉलर मिलियनरी की पसंदीदा कार मर्सिडीज बेंज है और वे हर तीन साल में अपनी कारों को बदलते हैं। इंडियन होटल्स का होटल ताज सबसे पसंदीदा ब्रांड के रूप में उभरा, जबकि तनिष्क पसंदीदा ज्वैलरी ब्रांड है।

चुनाव नतीजों के बाद राजनीति नयी करवट लेगी, कांग्रेस मजबूत बनकर उभरेगी: हार्दिक पटेल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी अच्छा प्रदर्शन करते हुए मजबूत बनकर उभरेगी और देश की राजनीति नयी करवट लेगी। पटेल ने यह उम्मीद भी जताई कि पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और उत्तर प्रदेश में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करेगी।

गुजरात से ताल्लुक रखने वाले युवा नेता ने कहा, 'मैंने पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में पार्टी के लिए प्रचार किया है। इसलिए, यह कह सकता हूं कि लोगों में कांग्रेस को लेकर उत्साह है। पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। मुझे लगता कि राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी के नेतृत्व में कांग्रेस मजबूत बनकर सामने आएगी।' उन्होंने कहा कि इन चुनावों के नतीजों के चलते देश की राजनीति नयी करवट लेगी और कांग्रेस केंद्र की सत्ता की ओर एक बार फिर से कदम बढ़ाएगी। पटेल ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में लंबे समय बाद कांग्रेस के कार्यकताओं में उत्साह दिख रहा है। जनता भी प्रियंका गांधी जी की सभाओं में बड़ी संख्या में आ रही है। मेरा मानना है कि कांग्रेस उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करने जा रही है।' उन्होंने यह दावा भी किया कि उत्तर प्रदेश और अन्य चुनावी राज्यों में भाजपा के खिलाफ लोगों में आक्रोश है और यह 10 मार्च को चुनाव नतीजों में भी दिखेगा।

उमा भारती ने फिर किया चुनाव लड़ने का ऐलान, 2024 में मारेंगी बाजी लेकिन इस सवाल का जवाब नहीं दिया

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने एक बार फिर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने छतरपुर में कहा कि वह 2024 में चुनाव लड़ेंगी। लेकिन कहां से चुनाव लड़ेंगी इसका कोई जवाब नहीं दिया। दरअसल छतरपुर जिले के गंज गांव में उमा भारती ने हनुमान कुटी मंदिर में पूजा-अर्चना की। केन बेतवा लिंक परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद उमा भारती रविवार को गंज गांव स्थित हनुमान मंदिर पहुंची थीं। यहां उन्होंने इस योजना के लिए मन्नत मांगी थी। उमा भारती की घोषणा होते ही यहां मौजूद लोगों ने तालियों से स्वागत किया। भारती ने कहा कि अगर पार्टी नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने की जिम्मेदारी मांगी थी। तो वह पहले दौर का प्रचार कर लौटी हैं और फिर प्रचार में जाएंगी। बताया जा रहा है कि उमा भारती के चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद उन्होंने कहा कि जब इस मुद्दे पर बात की तो उनकी तरफ से कभी यह घोषणा नहीं की गई कि वह कभी चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने 2019 का चुनाव नहीं लड़ने की बात कही थी। जब भारती से पूछा गया कि वह 2024 में कहां से चुनाव लड़ेंगी, तो उन्होंने इस सवाल से परहेज किया। वहीं उमा भारती ने बुंदेलखंड में प्रवास को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि हर साल आठ लाख लोग यहां से पलायन करते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी मजदूर अपनी जन्मभूमि नहीं छोड़ना चाहता। लेकिन बेरोजगारी के कारण युवा और ग्रामीण पलायन करते हैं। अगर बाहर काम करने वालों को आधी कीमत भी यहां मिल जाए तो पलायन रुक जाएगा।

हिंसा नहीं, सामान्य जीवन जीना चाहते हैं कश्मीर के युवा : ले. जनरल पांडे

श्रीनगर । चिनार कोर के जीओसी लेफ्टनेंट जनरल डीपी पांडे ने कहा कि बहुत जल्द कश्मीर के हालात पहले की तरह सामान्य और शांतिपूर्ण हो जाएंगे। घाटी में अब आतंकवाद समाप्ति की ओर है। यहां के युवाओं को अब यह बात समझ आ गई है कि पाकिस्तान उन्हें अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहा है। कश्मीर के नाम पर उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है। वे अब आतंकवाद के रास्ते पर नहीं बल्कि एक सामान्य जीवन की तलाश में हैं। चिनार कोर के जीओसी लेफ्टनेंट जनरल पांडे ने कहा कि इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कश्मीर में आतंकियों की भर्ती में काफी कमी आई है। आतंकवादी संगठन अपने सहयोगियों की मदद से युवाओं को कथित जेहाद का पाठ पढ़ाकर संगठनों में भर्ती करने का प्रयास कर रहे हैं परंतु अब युवा उनकी बातों में न आकर एक आम नागरिक का जीवन जीने की इच्छा जाहिर कर रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले दिनों सुरक्षाबलों ने घाटी में जैश-ए-मोहम्मद के बहुत बड़े माड्यूल का भंडाफोड़ किया था। ये लोग स्कूल-कालेजों के छात्रों को संगठन में शामिल करने का काम करते थे। इन ओवर ग्राउंड वर्करों से पूछताछ के आधार पर और भी कई गिरफ्तारियां की जा रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडे ने कहा पिछले सालों से तुलना करें तो घाटी में आतंकी संगठनों की भर्ती में कमी दर्ज की गई है। यही नहीं कश्मीर में जो आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं, उनके अधिकतर शीर्ष कमांडर मारे जा चुके हैं।

योगी की हार तय, पैकर्स एंड मूवर्स को बुलाया है, 11 मार्च का खरीद लिया है टिकट: अखिलेश

हरदोई (एजेंसी)

यूपी विधानसभा के लिए चौथे चरण का मतदान 23 फरवरी को होगा प्रचार के अंतिम दिन समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा की ऐतिहासिक पराजय का दावा करते हुए सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना सामान गोरखपुर ले जाने के लिए 'पैकर्स ऐंड मूवर्स' को बुलाया है और 11 मार्च का हवाई टिकट भी खरीद लिया है। अखिलेश ने हरदोई के संडीला में सपा गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक पराजय होने का दावा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, अभी सुनने को मिला है कि हमारे सीएम (मुख्यमंत्री) ने पीएम को बुलाया है। पीएम का मतलब पैकर्स ऐंड मूवर्स से है, जो लोगों के घर के सामान को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाते हैं।

उन्होंने योगी पर हमले जारी रखते हुए कहा, हारने वाला पहलवान ही खिसियाता है। आपने बाबाजी की शक्ल देखी है। बताइए उस पर 12 बज गए कि नहीं। अब तो गोरखपुर वाले भी उनके लिए एक गाना गाने लगे हैं। आपने देखा होगा कि प्रधानमंत्री ने जब से उन्हें पैदल किया तब से वह लगे थे कि हम कहां से चुनाव लड़ेंगे लेकिन जनता ने उन्हें अपने घर गोरखपुर भेज दिया और सुनने में आया है कि उन्होंने 11 तारीख की हवाई जहाज का टिकट भी खरीद लिया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा के लोग नहीं समझ पा रहे हैं कि इनके खिलाफ जनता में 440 वोल्ट का करंट चल रहा है। आपने इनके बयान देखे होंगे जिन नेताओं की बदली है, वे जनता का समर्थन नहीं पा रहे हैं और इस बार जनता ने इनकी खड़ी कर दी है खटिया, इसीलिए इनके बयान आ रहे हैं घटिया। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा परिवारवाद व गुंडाराज फैलाने और आतंकवाद को प्रश्रय देने के आरोप लगाकर सपा पर काफी हमलावर है। अखिलेश ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर भी करारा हमला करते हुए कहा कि इस पार्टी का कोई भरोसा नहीं कि वह कब किससे जा मिले। उन्होंने बसपा के चुनाव निशान हाथी का जिक्र करते हुए कहा, जो हाथी पर बैठे हैं, वे कहीं भी जा सकते हैं क्योंकि उनके गुरु भाजपा में बैठे हैं। अखिलेश ने दावा किया, हम बहुमत की सरकार बना रहे हैं। हमने पहले और दूसरे चरण में ही शतक लगा दिया है और तीसरे, चौथे में दूसरा शतक लग जाएगा। बाकी जितने चरण बचेंगे उनमें समाजवादी पार्टी और गठबंधन ऐतिहासिक जीत हासिल करने जा रहा है। इस बार जनता इस बात को लेकर खुद में होड़ कर रही है कि किस चरण में भाजपा को ज्यादा बुरी तरह से हराया जाए।

सपा अध्यक्ष ने भाजपा पर किसानों से छल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस पार्टी ने वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन वह झूठा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि उल्टे सरकार ने किसानों की खाद की बोरी से पांच किलो खाद चोरी कर ली। उन्होंने शिक्षामित्रों का जिक्र करते हुए कहा कि सपा सरकार ने ही उनकी सबसे ज्यादा मदद की थी लेकिन पिछले चुनाव में वे भी भाजपा के बहकावे में आ गए थे। उन्होंने वादा किया कि सपा की दोबारा सरकार बनी तो शिक्षामित्रों को स्थाई नौकरी दी जाएगी। अखिलेश ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश का विधान सभा चुनाव कोई छोटा-मोटा चुनाव नहीं बल्कि देश का सबसे बड़ा चुनाव होने जा रहा है। यह ना सिर्फ इस राज्य का भाग्य बदलेगा बल्कि किसानों और नौजवानों की किस्मत भी बदलेगा।

भगवंत मान बोले- केजरीवाल और मुझपर हमला करने के लिए भाजपा-कांग्रेस ने किया गठबंधन

नई दिल्ली (एजेंसी)

पंजाब में वोटिंग की प्रक्रिया खत्म हो चुकी है लेकिन राजनीति अब भी जारी है। पंजाब में आम आदमी पार्टी और सत्तारूढ़ कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला है। आम आदमी पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भगवंत मान ने मतदाताओं को लगातार भगत सिंह जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद दिलाया। इतना ही नहीं, भगवंत मान लगातार पंजाब के लोगों से अन्य दलों के लुभावने वादों से बचने की भी अपील की। इन सब के बीच आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता कुमार विश्वास ने अरविंद केजरीवाल पर बड़ा आरोप लगा दिया। इसके बाद भाजपा और कांग्रेस दोनों अरविंद केजरीवाल पर हमलावर हो गए। इसी के संदर्भ में भगवंत मान ने दावा किया कि कांग्रेस और भाजपा ने झूठे आरोप लगाने के लिए गठबंधन किया है। आपको बता दें कि पंजाब में रविवार को 117 सीटों पर विधानसभा के चुनाव हुए। पंजाब के नतीजे अब 10 मार्च को आएंगे।

आम आदमी पार्टी के सीएम उम्मीदवार भगवंत मान ने कहा कि आज पंजाब के लिए एक बड़ा दिन है। कांग्रेस और बीजेपी मेरी पार्टी और मुझ पर आरोप लगाने आए हैं, लेकिन पंजाब के लोग सब कुछ जानते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा एक साथ आए हैं। सभी दलों ने हाथ मिलाया है। वे केवल मुझ पर और अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगा रहे हैं। हमने पंजाब को कभी नुकसान नहीं पहुंचाया है। लोग सब कुछ जानते हैं। वहीं चुनाव बाद भगवंत मान की मां हरपाल कौर ने कहा कि भगवान की कृपा से सभी उसे प्यार करते हैं। हमारे लिए वह पहले ही सीएम बन चुके हैं। लोग उन्हें प्यार करते हैं।

इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि पंजाब में आम आदमी पार्टी के प्रतिद्वंद्वी दल उन्हें और उनकी पार्टी से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भगवंत मान को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे पंजाब में स्कूलों और अस्पतालों की हालत बेहतर करने, लोगों को नौकरियां देने और बेअदबी के मामलों में न्याय सुनिश्चित करने के बारे में बात करते हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर तंज करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आजकल उन्हें (चन्नी को) सपनों में भी वही(केजरीवाल) दिख रहे हैं और वह सो नहीं पा रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में आपने यह जरूर देखा होगा कि सभी दल और उनके नेता मुझे और भगवंत मान को अपशब्द कह रहे हैं। कल, (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह (पंजाब में) आए और मुझे एवं आप को अपशब्द कहे।

लखीमपुर हिंसा: मृत किसानों के परिवारों ने आशीष मिश्रा की जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी हिंसा में मारे गए किसानों के परिवारों ने केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे और मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिये जाने को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की है। लखीमपुर खीरी में पिछले साल तीन अक्टूबर को हुई हिंसा में चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। मृत किसानों के परिवारों के तीन सदस्यों ने उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के 10 फरवरी के जमानत आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह फैसला कानून की नजर में टिकने लायक नहीं है क्योंकि इस मामले में राज्य द्वारा अदालत को कोई सार्थक और प्रभावी सहायता नहीं दी गई। जगजीत सिंह, पवन कश्यप और सुखविंदर सिंह ने अधिवक्ता प्रशांत भूषण के माध्यम से दायर की गई याचिका में कहा, जमानत देने के लिए तय सिद्धांतों के संबंध में उच्च न्यायालय के आदेश में राज्य द्वारा ठोस दलीलों की कमी रही और आरोपी राज्य सरकार पर पर्याप्त प्रभाव रखता है क्योंकि उसके पिता उसी राजनीतिक दल से केंद्रीय मंत्री हैं, जो राज्य की सत्ता में है। याचिका में कहा गया, उक्त आदेश कानून की नजर में टिकने योग्य नहीं है क्योंकि सीआरपीसी, 1973 की धारा 439 के पहले प्रावधान के उद्देश्य के विपरीत मामले में राज्य द्वारा अदालत को कोई सार्थक और प्रभावी सहायता नहीं मिली, जिसके तहत गंभीर अपराध से जुड़ी जमानत अर्जी के संबंध में आम तौर पर लोक अभियोजक को नोटिस दिया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि उच्च न्यायालय द्वारा इस मामले में स्थापित कानूनी मानदंडों के विपरीत एक अनुचित और मनमाना निर्णय दिया गया, जिसने अपराध की जघन्य प्रकृति पर विचार किए बिना जमानत प्रदान की। आरोपी के जमानत आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए याचिका में सबूतों का क्रमिक उल्लेख किया गया।

मायावती का भाजपा पर हमला, बोलीं- पिछड़ों और दलितों को नहीं मिला आरक्षण का पूरा लाभ

प्रयागराज। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने सोमवार को यहां एक जनसभा में आरोप लगाया कि प्रदेश की मौजूदा भाजपा की सरकार में पिछड़ों और दलितों को आरक्षण का पूरा लाभ नहीं मिला है। मायावती ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के गरीबों, मजदूरों के साथ ही दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों एवं अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को बसपा की योजनाओं का सही से पूरा लाभ नहीं दिया गया। इस जनसभा में प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़ और फतेहपुर जिले की विधानसभा सीटों के बसपा के प्रत्याशी मौजूद थे। बसपा प्रमुख ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की सरकार में गुंडों. बदमाशों, माफियाओं, अराजक तत्वों और सरेआम लूट खसोट करने और दंगे फसाद करने वालों का ही राज रहा है। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में दलित छात्रों के विदेश जाकर पढ़ाई करने की योजना खत्म कर दी गई। साथ ही सपा की सरकार ने दलित छात्रों की छात्रवृत्ति रोकने का भी काम किया। इसी सपा सरकार ने सरकारी भूमि आबंटन में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को मिलने वाली प्राथमिकता खत्म कर दी। मायावती ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत के आजाद होने के बाद केंद्र और ज्यादातर प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार रही है। उन्होंने कहा कि अपनी गलत नीतियों के कारण ही यह पार्टी अन्य प्रदेशों के साथ ही उत्तर प्रदेश में सत्ता से बाहर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जब सत्ता पर काबिज होती है और उसके अच्छे दिन होते हैं तो उसे दलितों के विकास का काम याद नहीं आता है और यदि कांग्रेस पार्टी ने यह किया होता तो हमें बसपा के गठन की जरूरत नहीं पड़ती।

प्रियंका का भाजपा पर बड़ा हमला, बोलीं- बेरोजगारी और महंगाई के आतंक के बारे में क्यों नहीं करते हैं बात ?

हरदोई। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की लड़ाई पाकिस्तान से होकर आतंकवाद पर आ पहुंची है। चुनावों के ऐलान से पहले पाकिस्तान और मोहम्मद अली जिन्ना का जिक्र हो रहा था और अब तीन चरण के मतदान हो जाने के बाद आतंकवाद पर खूब चर्चा हो रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आतंकवाद के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों को लगातार घेरने की कोशिश कर रही है। इसी बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को हरदोई में पूछा कि भाजपा सरकार ने पिछले 5 सालों में क्या लाभ दिया।

बेरोजगारी के आतंक को करें समाप्त

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि पिछले 5 सालों में भाजपा सरकार ने क्या लाभ दिया है ? वे धर्म, पाकिस्तान और आतंकवाद के बारे में बात करते हैं, लेकिन बेरोजगारी और महंगाई के आतंक के बारे में बात नहीं करेंगे। लोगों के पास खाने के लिए पैसे नहीं हैं और वे हमारे दिमाग को धर्म और पाकिस्तान की ओर मोड़ते हैं। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता अमित शाह ने कांग्रेस और सपा पर हमला बोला था।

उन्होंने कहा था कि एक ओर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी कहती हैं कि आतंकवाद फिजूल बाते हैं और तो दूसरी ओर सपा है, जब अखिलेश बाबू सत्ता में आए थे तब संकट मोचन मंदिर पर बम धमाका हुआ था और उन्होंने अपने घोषणा पत्र में हमले में शामिल लोगों को छोड़वाने का वादा किया था। ये तो इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दखल कर दी वरना सभी आतंकवादी मुक्त हो जाते।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि पाकिस्तान, आतंकवाद और धर्म की बात करने से किसका पेट भर रहा है ? यहां पर बेरोजगारी और महंगाई के आतंक को समाप्त करिए। इन बातों से सिर्फ नेताओं का पेट भर रहा है। इससे उन्हें सत्ता मिल रही है। उन्होंने कहा कि किसानों का कर्ज माफ करिए इससे इनका पेट भरेगा। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार आने के 3 घंटे बाद किसानों की कर्जमाफी होना शुरू हो गई। लेकिन यह लोग 5 सालों से राज कर रहे हैं। यह किसके लिए सरकार चला रहे हैं ? बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लिए।

कर्नाटक- पहले हिजाब और अब हिंसा, मैंने पहले ही किया था आगाह : कुमारस्वामी

शिमोगा (एजेंसी)

कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थान से पैदा हुआ हिजाब विवाद पर अब पूरे प्रदेश में बवाल मचा है। अब यहां शिमोगा में बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या के बाद माहौल और गरमा गया है। फिलहाल इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी हो गई है। राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने बताया है कि आरोपी स्थानीय ही हैं। वहीं बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के मामले पर राजनीतिक बयानबाजी भी जमकर हो रही है। कांग्रेस और बीजेपी के नेता एक दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। कर्नाटक के मंत्री ईश्वरप्पा और कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार एक दूसरे पर निजी हमले तक कर रहे हैं। कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई के साथ-साथ पूर्व सीएम कुमारस्वामी का भी इस पर बयान आया है। दूसरी तरफ 26 वर्षीय बजरंग दल कार्यकर्ता हर्षा के शव को अब पुलिस की सुरक्षा के बीच पोस्टमार्टम के बाद उसके घर पहुंचाया गया है। बजरंग दल समेत अन्य हिंदू संगठनों के लोग बड़ी संख्या में इस दौरान वहां मौजूद रहे।

कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि पिछले हफ्ते जब हिजाब विवाद शुरू हुआ था तब मैंने पहले ही ऐसा कुछ होने का अंदेशा जताया था। अब एक लड़के की मौत हो गई है। कांग्रेस और बीजेपी अब खुश हो सकते हैं क्योंकि उन्होंने राज्य की शांति को भंग कर दिया है। कुमारस्वामी ने आगे कहा कि ऐसा चुनाव की वजह से आगे दोबारा हो सकता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कर्नाटक में होगा। ऐसा नॉर्थ इंडिया में होता है। ऐसे माहौल की वजह से स्कूल और कॉलेज बंद हैं। जो कर्नाटक के तटीय इलाके में शुरू हुआ था, वह अब पूरे राज्य में हो रहा है।

कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने भी इस मसले पर ट्वीट किया था। उन्होंने लिखा कि शिमोगा में हिंदू कार्यकर्ता हर्षा के मर्डर का मुझे दुख है। जांच जारी है और दोषी लोगों को जल्द पकड़ा जाएगा। पुलिस को इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। कृपया लोग भी अल्ल शांति बनाए रखें।बजरंग दल कार्यकर्ता हर्षा की हत्या के बाद कर्नाटक सरकार में मंत्री ईश्वरप्पा ने कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार पर निशाना साधा था। उन्होंने आरोप लगाया कि 'तिरंगा हटाकर, भगवा फहराया गया', ऐसी बातें करके शिवकुमार ने धर्म विशेष को भड़काया था। वहीं बदले में डीके शिवकुमार ने ईश्वरप्पा को 'पागल' तक कह दिया है।डीके शिवकुमार बोले कि ईश्वरप्पा पागल आदमी है, वह बकवास बातें बोलते हैं। उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए और बीजेपी को उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। उन्हें देश में कोई माफ नहीं कर सकता। बजरंग दल कार्यकर्ता की मौत के बाद बीजेपी नेताओं के भी अलग-अलग बयान आ रहे हैं। कोई इसे हिजाब विवाद से जोड़ रहा है, तो कोई इनमें आपस में कनेक्शन से इनकार कर रहा है। बीजेपी विधायक और सीएम के सचिव रेणुकाचार्या ने शिमोगा के मामले को हिजाब से जोड़ा है। वह बोले कि यह हिजाब विवाद की वजह से हुआ है। ऐसा अकसर तब ही होता है जब हिंदू समर्थित बातें की जाती हैं।

शाहरुख की फिल्मों ने रिलेशनशिप के बारे में गलत आइडिया दिया...

पार्टनर बदलने में को लेकर बोलीं अनन्या पांडे- इसमें कोई बुराई नहीं

एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म गहराइयां को लेकर खूब चर्चा में है। फिल्म को ऑडियंस का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म रिलेशनशिप ड्रामा है, जो कॉम्प्लेक्स मॉडर्न रिलेशनशिप्स की कहानही बयां करती हैं। इसी बीच अनन्या पांडे में अपने दिल की बात सबके सामने रखी है।

रोमांटिक रिलेशनशिप के बारे में बात करते हुए अनन्या ने बताया कि वक्त के साथ इस बारे में उनके विचारों में काफी चेंज आया है। उन्होंने कहा कि वह शाहरुख खान की फिल्में देखते हुए बड़ी हुई हैं और इन फिल्मों ने रिलेशनशिप के बारे में उन्हें गलत आइडिया दिया था।

अनन्या ने कहा, जब मैं बड़ी हो रही थी तो मैंने शाहरुख खान की काफी फिल्में देखी थी। मैं एक ऐसा आदमी चाहती थी तो जो पागलों की तरह मुझे प्यार करे और प्यार भरी निगाहों से मुझे देखे। कुछ समय बाद मुझे ऐसा अहसास हुआ कि प्यार में आपसी बातचीत और दोस्ती बहुत जरूरी होती है।

मॉर्डन रिलेशनशिप में आजकल के युवाओं की सोच और पार्टनर बदलने के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि आज आप यादा से यादा लोगों से मिल सकते हैं और दीपिका ने जैसा कहा कि आपको सबसे पहले खुद के बारे में सोचना चाहिए। आप सेटल नहीं होना चाहते हैं और इसे गलत तरीके से नहीं लिया जाना चाहिए।

अनन्या बोलीं- मैं शायद इन सब को कैजुअल तरीके से नहीं देखती हूं, लेकिन अगर आपको किसी चीज से खुशी नहीं मिल रही है तो वह आपको उतना संतुष्ट भी नहीं कर पाएगी। अनन्या ने यह भी कहा कि गहराइयां में अपने किरदार टिया को लेकर उनके मन में काफी शंकाएं थीं कि वह अपने करियर की शुरूआत में ही ऐसे किरदार निभा रही हैं। लेकिन लोगों से मिली तारीफ ने उन्हें काफी प्रोत्साहित किया है।

बता दें, अब अनन्या पांडे जल्द ही तेलुगू सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म लाइगर में में नजर आएंगी।

मुसीबत में फंसे सोनू सूद, मोगा पुलिस ने दर्ज की FIR

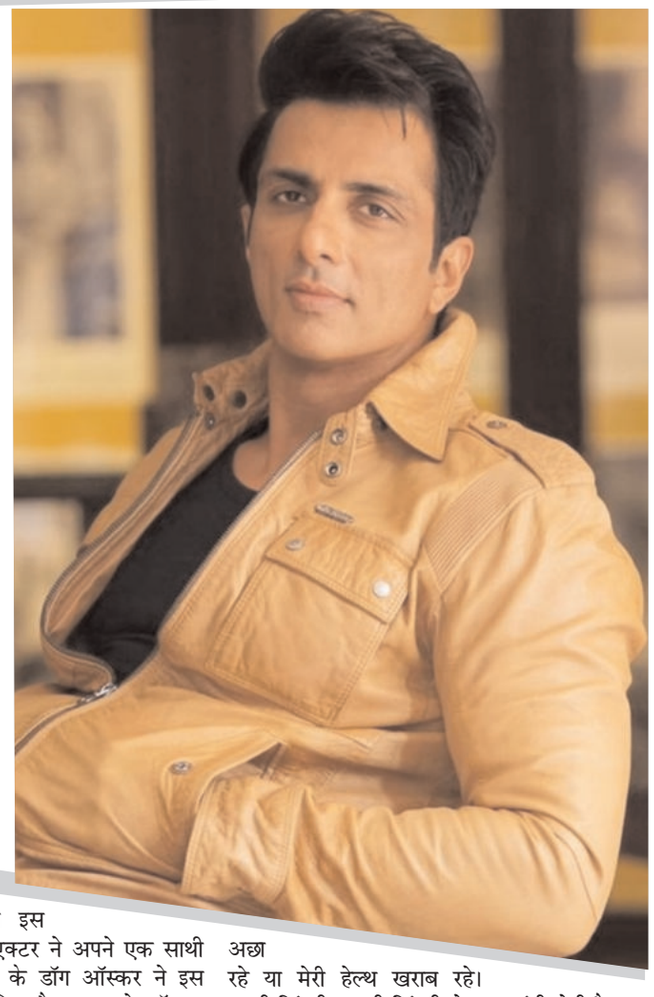

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद इन दिनों मुसीबत से घिरे हुए हैं। एक्टर पर आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में मोगा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले 20 फरवरी को पंजाब में चुनाव वाले दिन चुनाव आयोग ने एक्टर की गाड़ी को कब्जे में ले लिया था। मतदान केंद्र के बाहर देखे जाने के कारण सोनू सूद पर पर्चा भी दर्ज हुआ था।

खबरों के मुताबिक, सोनू सूद अपनी बहन मालविका सूद जो पंजाब के मोगा से कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार हैं उनके लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे। वहीं मिली जानकारी के मुताबित चुनाव आयोग ने एक्टर को मोगा में मतदान केंद्रों पर जाने से रोक दिया था। उन्हें शिकायत मिली थी कि वह वहां जाकर मतदाताओं को प्रभावित कर रहे थे। हालांकि एक्टर ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इंकार किया है।

एक्टर ने दी सफाई

सोनू सूद ने इन सभी बातों से इंकार करते हुए कहा कि उन्हें क्षेत्र में शिअद प्रतयाशी लोगों को भड़काने की सूचना मिली थी जिसकी जांच करने के लिए वह वहां गए थे। रिपोटर्स की मानें तो सोनू सूद विवादों के बाद फिल्म की शूटिंग के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना हो गए हैं।

खबरों की मानें तो जिस गाड़ी में सोनू सूद सवार थे वो गाड़ी भी उनके नाम नहीं थी। गाड़ी में उनके कुछ दोस्त भी सवार थे। जिसके बाद उनकी गाड़ी जब्त कर ली गई।

सिद्धार्थ मल्होत्रा के 11 साल के साथी ने दुनिया को कहा अलविदा, भावुक होते हुए एक्टर बोले- वह मेरे दिल में एक खालीपन छोड़ गया

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा इस समय काफी दुख में हैं। एक्टर ने अपने एक साथी को खो दिया है। सिद्धार्थ के डॉग ऑस्कर ने इस दुनिया को अलविदा कर दिया है। एक्टर ने ऑस्कर के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस को इसकी जानकारी दी और इसके साथ भावुक नोट लिखा है।

तस्वीरों और वीडियोज में सिद्धार्थ ऑस्कर के साथ पोज देते हुए और मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीरें और वीडियोज शेयर करते हुए सिद्धार्थ ने लिखा- यह पोस्ट में भारी दिल और नम आंखों से लिख रहा हूं। मेरा ऑस्कर अब इस दुनिया में नहीं रहा। वह इसे अलविदा कह गया है। वह मेरे दिल में एक खालीपन छोड़ गया है। ऑस्कर पिछले 11 साल से मुंबई में मेरा परिवार था। मैं अपने आसपास उनकी एनर्जी महसूस करता हूं। उसने मुझे केयर करना सिखाया। उसने मुझे सिखाया कि इमोशनल एनर्जी ही एक चीज होती है जो इस दुनिया में मायने रखती है। ऑस्कर ही एक था जो मेरे अछे और बुरे वक्त में मेरे साथ रहा। मुझे हर रोज प्यार दिया, फिर चाहे मेरा दिन अछा रहे या मेरी हेल्थ खराब रहे।

हमारी जिंदगी, इनकी जिंदगी से यादा लंबी होती है, यह जानने के बावजूद मुझे बहुत तकलीफ हो रही है। उसकी मासूम सी आंखें और एनर्जी कभी कोई रिप्लेस नहीं कर सकता। मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं कि उसने मुझे इस दुनिया में चुना था। मुझे इतना प्यार करना सिखाया। ऑस्कर, मैं तुमसे बहुत प्यार हूं और करता रहूंगा। फैंस इन तस्वीरों और वीडियोज को लाइक कर रहे हैं और दुख जाहिर कर रहे हैं।

वहीं सिद्धार्थ की गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने भी ऑस्कर की तस्वीरें शेयर कर श्रद्धांजलि दी है।

बता दें हाल ही में सिद्धार्थ और कियारा दादा साहब फाल्के इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स में नजर आए थे। दोनों की जोड़ी ने फैंस का दिल जीत लिया था। काम की बात करें तो सिद्धार्थ बहुत जल्द फिल्म योद्धा में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा एक्टर थैंक गॉड और मिशन मंजू में भी नजर आएंगे।

बिकिनी लुक में मंदाना करीमी का जलवा, शेड्स लगा हसीना ने यूं दिए किलर पोज

रियालिटी शो बिग बॉस 9 फेम मंदाना करीमी अपने बोल्ड अवतार और हॉट बॉडी के लिए जानी जाती हैं। मंदाना अपनी तस्वीरों की वजह से फैंस के दिलों में आग लगाती नजर आती हैं। आए दिन उनकी तस्वीरें सोशल साइट पर वायरल होती रहती हैं। इसी बीच एक बार फिर मंदाना की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर सनसनी मचाए हुए हैं।

मंदाना ने हाल ही में इंस्टा पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में मंदाना का बिकिनी लुक देखने को मिल रहा है। लुक की बात करें तो मंदाना येलो प्रिटिंड बिकिनी में दिख रही हैं।

हसीना ने शेड्स से अपने लुक को कंप्लीट किया है। मंदानी की इन तस्वीरों ने सोशल साइट पर तहलका मचा दिया। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

पर्सनल लाइफ की बात करें तो मंदाना ने गौरव गुप्ता के साथ लव मैरिज की थी जो छह महीने भी नहीं चल सकी और टूट गई।

गले में चोकर...इयरिंग्स..मनीष मल्होत्रा की साड़ी में हिमांशी खुराना ने करवाया फोटोशूट, ब्लैक ब्यूटी बन पंजाब की ऐश्वर्या ने चुराया फैंस का दिल

बिग बॉस 13 फेम और पंजाबी एक्ट्रेस हिमांशी खुराना अक्सर अपने फैशन स्टेटमेंट के चलते सुर्खियों में रहती हैं। पंजाब की ऐश्वर्या आए दिन फैंस के साथ अपनी स्टाइलिश तस्वीरें शेयर कर फैंस के दिलों पर तीर चलाती हैं।

हाल ही में हिमांशी ने इंस्टा पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो सोशल मीडिया पर खूब धमाल मचा रही हैं। तस्वीरों में हिमांशी का साड़ी लुक देखने को मिल रहा है।

लेटेस्ट तस्वीरों में हिमांशी डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की डिजाइनर ब्लैक कलर की साड़ी में बला की खूबसूरत लग रही हैं।

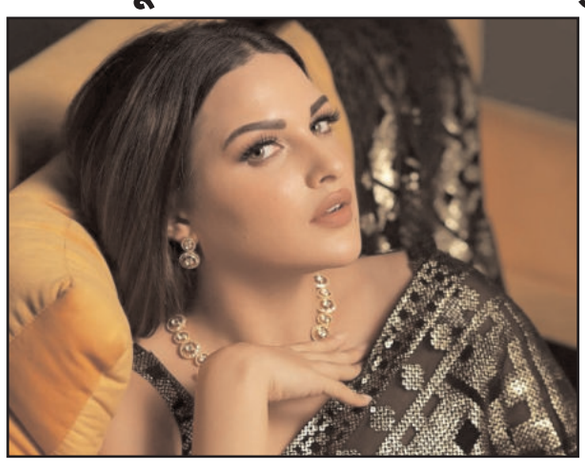

इस साड़ी के साथ उन्होंने ब्लैक कलर का स्लीवलेस ब्जाउज कैरी किया है। हिमांशी ने मिनिमल मेकअप से लुक को पूरा किया है। गले का चोकर, मैचिंग ईयरिंग्स उनके लुक को परफेक्ट बना रहा है। हिमांशी ब्लैक ब्यूटी बन फैंस के दिलों पर कहर ढा रही हैं।

हिमांशी का ये अंदाज देख बिग बॉस 13 के कंटेस्टेंट और उनके बॉयफ्रेंड आसिम रियाज एक बार फिर उन पर दिल हार बैठेंगे। हिमांशी की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

काम की बात करें तो हिमांशी हाल ही में गिप्पी गरेवाल की फिल्म शावा नी गिरधारी लाल में नजर आई थीं।

अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा चकदा एक्सप्रेस के लिए ट्रेनिंग में जुटीं अनुष्का शर्मा, क्रिकेट के मैदान में खेलते हुए वायरल हुई तस्वीरें

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा तीन साल बाद बॉलीवुड में कमबैक कर रही हैं। बीते दिनों उन्होंने अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म चकदा एक्सप्रेस घोषणा की थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस पूर्व भारतीय क्रिकेटर टीम की कप्तान झूलन गोस्वामी की भूमिका निभाएंगी। हाल ही में अनुष्का को क्रिकेट के मैदान में अपने किरदार की तैयारी करते हुए देखा गया। मैदान पर प्रैक्टिस करते हुए की एक्ट्रेस की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

लुक की बात करें तो इस दौरान अनुष्का व्हाइट टी-शर्ट के ब्लैक लोअर में देखा गया। उन्होंने अपने बालों को पोनी स्टाइल में बांध रखा है और सिर पर रेड कैप लगाई हुई है।

कैजुअल आउटफिट के साथ व्हाइट स्पोर्ट्स शूज पहने वह अपने खेल पर पूरा फोकस करती दिख रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं।

बता दें, अनुष्का शर्मा की मां बनने के बाद यह पहली फिल्म होगी। उन्हें आखिरी बार शाहरुख खान के साथ फिल्म ज़ीरो में देखा गया था।

वलीमई फिल्म के प्रचार के लिए हुमा कुरैशी लगा रही है दक्षिणी शहरों के चक्कर

साउथ सुपरस्टार अजित और बहुप्रतिभाशाली हुमा कुरैशी अभिनीत फिल्म वलीमई का प्रचार काफी जोरो शोरो से चल रहा है और इसीलिए में हुमा बैंगलोर, हैदराबाद और चेन्नई इन शहरों के चक्कर लगा रही है।

हुमा इस फिल्म के जरिए पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही है, साथ ही पहली बार एक्शन करती भी नजर आएंगी। उनके प्रशंसक उन्हें एक अलग अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

अपनी उत्सुकता सांझा कर हुमा कहती है कि, मैं इस साल की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत ही खुश हूं। वलीमई को दर्शकों से जो प्रतिक्रिया और प्यार मिल रहा है, वह जबरदस्त है। दक्षिण में प्रचार करना हमेशा रोमांचक होता है। बता दें कि, वलीमई रिलीज़ के दिन चेन्नई में आयोजित किए गए मॉर्निंग फैन शो में उपस्थित रहेंगी। वलीमई की एडवांस बुकिंग पूरे देश में शुरू हो गई है।

हॉलीवुड स्टार जस्टिन बीबर को हुआ कोरोना

रद्द हुआ लास वेगास में 'जस्टिस वर्ल्ड विल' शो

हॉलीवुड स्टार जस्टिन बीबर कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। सिंगर की टीम ने उनके कोरोना संक्रमित होने की खबर दी है। हालांकि जस्टिन की तबीयत बिल्कुल ठीक है। जस्टिन के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद लास वेगास में उनके जस्टिस वर्ल्ड विल कार्यक्रम को भी रद्द करना पड़ा। इसके अलावा जस्टिन दो शो और करने वाले हैं। एक एरिज़ोना में और दूसरा कैलिफोर्निया में है। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है कि उन्हें स्थगित किया जाएगा या नहीं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बीबर के अलावा उनकी टीम के अन्य सदस्य भी कोरोना से संक्रमित हुए हैं। बीबर को लास वेगास में प्रस्तुति देनी थी लेकिन कार्यक्रम को 28 जून तक टाल दिया गया है। इस बारे में कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि हमें दुर्भाग्यवश लास वेगास का कार्यक्रम स्थगित करना पड़ रहा है। जस्टिन बहुत निराश है, लेकिन उनकी टीम के सदस्य और प्रशंसकों का स्वास्थ्य, सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है। इस खबर के बाद फैंस जस्टिन के जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं।

बता दें वेस्ट हॉलीवुड, कैलिफोर्निया में पैसिफिक डिज़ाइन सेंटर में भरी भीड़ के लिए प्रदर्शन करने के एक हफ्ते बाद जस्टिन कोरोना की चपेट में आ गए। जस्टिन 12 साल की उम्र से गा रहे हैं। काफी कम उम्र में ही उन्होंने काफी शोहरत हासिल कर ली है। जस्टिन ने बहुत कम उम्र में ही काफी शोहरत हासिल कर ली है। उनके आगे कई बड़े कलाकार फीके पड़ते नजर आते हैं । जस्टिन 12 साल की उम्र से गायिकी कर रहे हैं। इतना ही नहीं जस्टिन यूट्यूब पर सबसे ज्यादा सब्सक्राइबर बनाने वाले पहले मेल सिंगर हैं। इसके अलावा फोर्ब्स मैगजीन के मुताबिक, जस्टिन चार बार दुनिया के सर्वोच्च 10 सबसे शक्तिशाली सेलेब्रिटीज की लिस्ट में भी शामिल हो चुके हैं।

फोटोशूट के दौरान विराट संग पाखी का लिपलॉक

हाथों में मेहंदी...फूलों से बनी ज्वेलरी..येलो आउटफिट में कुछ यूं सजी ऐश्वर्या

गुम है किसी के प्यार में फेम नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा बीते साल शादी के बंधन में बंधे थे। शादी के बाद से ही ऐश्वर्या और नील अपनी खूबसूरत तस्वीरों के जरिए फैंस को कपल गोल देती नजर आती है।

हाल ही में ऐश्वर्या ने कुछ तस्वीरें शेयर की जो इस समय चर्चा का विषय है। तस्वीरों में ऐश्वर्या खूबसूरत अंदाज में पति नील के साथ जबरदस्त अंदाज में पोज दे रही हैं।

लुक की बात करें तो ऐश्वर्या येलो कलर के सूट में बला की खूबसूरत लग रही हैं। मांग में सिंदूर, हाथों में लगी मेहंदी, मिनिमल मेकअप उनके लुक को परफेक्ट बना रहा है।

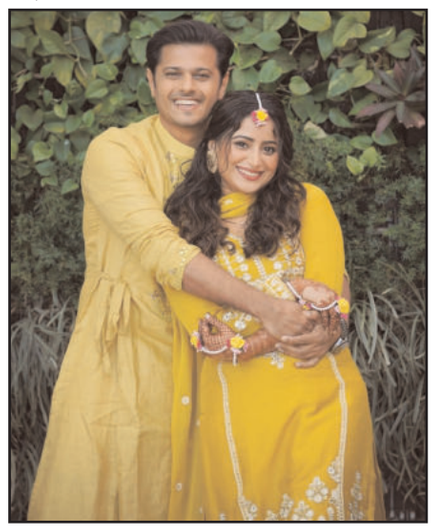

उन्होंने फूलों से बनी ज्वेलरी पहन रखी है। हेयरस्टाइल की बात करें तो ऐश्वर्या ने बालों को हाफ ओपन रखा है। वहीं नील येलो कुर्ते में हैंडसम लग रहे हैं।

तस्वीरों में कपल एक-दूजे में खोया दिख रहा है। फैंस नील-ऐश्वर्या की तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

नील और ऐश्वर्या ने 30 नवंबर को मध्यप्रदेश के उज्जैन में सात वचन लेकर एक-दूजे का हुआ। दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थीं।

सीएसएन एवं आईटीआई कालेज परिसर से पोलिंग पार्टियां सकुशल रवाना

आनंद राय

हरदोई। विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 के चौथे चरण में जनपद में 23 फरवरी 2022 को होने वाले मतदान के लिए सी0एस0एन0 पीजी कालेज एवं आई0टी0आई0 परिसर से सभी पोलिंग पार्टियां सकुशल रवाना की गयी।

सी0एस0एन0 कालेज से विधान सभा सवायजपुर, शाहाबाद, हरदोई, साण्डी व गोपामऊ की पार्टी तथा आई0टी0आई0 कालेज से विधान सभा बालामऊ, बिलग्राम-मल्लावां एवं सण्डीला की पार्टियों को सेक्टर मजिस्ट्रेटों की उपस्थित में पुलिस बल के साथ रवाना किया गया। पोलिंग पार्टियों के रवानी का प्रेक्षक ने जायजा लिया तथा उपस्थित जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिये कि मतदान केन्द्रों पर पहुँचने वाली पोलिंग पार्टियों की जानकारी निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करायें उन्होने कहा कि पोलिंग पार्टी का कोई भी सदस्य किसी अतिथ्य स्वीकार नहीं करेगें तथा मतदान पूर्ण निष्पक्ष एवं जिम्मेदारी के साथ करायेगें।.

ग्राम सभा बरगदवा विशुनपुर के ग्राम प्रधान ने किया सपा का समर्थन,मांगा ग्रामवासियों से वोट

कुलदीप त्यागी

महराजगंज/पुरंदरपुर। महराजगंज जिले के पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरगदवा विशुनपुर के ग्राम प्रधान रब्बिश ने नौतनवा विधानसभा 316 के सपा प्रत्याशी कुँवर कौशल किशोर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह का खुलकर समर्थन किया साथ ही साथ ग्रामवासियों से मुन्ना सिंह के लिए वोट भी मांगें उन्होंने कहा कहा महंगाई, भ्रष्टाचार, एवं विकास का एकमात्र विकल्प समाजवादी पार्टी ही हैं। नौतनवा विधानसभा क्षेत्र के बरगदवा विशुनपुर गांव में वोट मांगने पहुंचे अन्य पार्टियों का जमकर विरोध का सामना करना पड़ा। यहां समाजवादी पार्टी के समर्थकों ने जमकर बसपा व भाजपा नेताओं के विरोध में नारेबाजी

की गई। वही सपा प्रत्याशी कुँवर कौशल किशोर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने बुलडोजर सरकार के नीतियों पर सवाल उठते हुए। जो अपराधी हैं, वह क्षेत्र को अपराध मुक्त की बात कर रहा हैं। इस दौरान ग्राम पंचायत बरगदवा विशुनपुर ग्राम प्रधान रब्बिश, विधायक प्रतिनिधि व ग्राम प्रधान एकमा तेजेंद्र पाल सिंह उर्फ गोल्डी सिंह, जितेंद्र शाही, पूर्व प्रधान बसंतपुर अख्तर अली, मनोज यादव, महेंद्र यादव, नागेंद्र यादव, समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा के वादाखिलाफी पर बीएड टेट 2011 के अभ्यर्थियों विरोध में उतरे सड़क पर समाजवादी पार्टी के प्रचार प्रसार में जुट

संवाददाता

महराजगंज /फरेंदा। महाराजगंज जनपद के अंतर्गत सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक अनोखा दृश्य देखने को मिल रहा है जिनको लेकर पूरे जनपद में चर्चाओं का बाजार गर्म है दरअसल मामला यह है कि आज कल सैकड़ों युवा हाथों में तख्ती लेकर और माथे में सफ़ेद टोपी लगाकर समाजवादी पार्टी का प्रचार करते हुए नजर आ रहे हैं पूरी जानकारी के लिए बता दें कि बीएड टेट 2011 के पास अभ्यार्थी जिले के फरेंदा और नौतनवा विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के विधायक प्रत्याशी मुन्ना सिंह सांखला जी की मुलाकात कर समर्थन पत्र सौंपा साथ ही दोनों

विधानसभा के दर्जनों बाजारों कस्बा गांव में घूमकर सपा प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार का जनता से वोट करने के लिए अपील किया साथ ही भाजपा सरकार के विरोध में एक अनोखा अभियान चलाया जिससे भाजपा प्रत्याशियों के बीच एक अजीब सी घबराहट पैदा हो गई है आपको बताते चलें कि विधानसभा में अबकी बार जोड़ का तोड़ कांटेदार की लड़ाई चल रही है विधानसभा में माहौल गर्मा गर्म चुनाव का दिखाई दे रहा है

हर्षोल्लास के साथ निकला हरैया रघुवीर से भव्य कलश यात्रा

विशाल

महराजगंज /पुरंदरपुर। महराजगंज जिले के पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरैया रघुवीर में नौ दिवसीय श्री रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। वैदिक मंत्रोचार के साथ कलश यात्रा यज्ञ स्थल से निकलकर भैंसहवा समरधीरा चौराहा रघुनाथपुर होते हुए रोहिणी नदी के अमाहवा घाट पर पहुंच कर कलश भर कर पुनः यज्ञ स्थल पर पहुंचा।यज्ञ का समापन एक मार्च को होगा। इस अवसर पर यज्ञ आयोजक पंडित गिरजेश शास्त्री प्रवचन कर्ता भागवत भूषण पण्डित

चतुरानन मणि त्रिपाठी शैलेश शुक्ला ग्राम प्रधान कलसन्तोष कुमार उमेश यादव अरविंद यादव चन्द्रकेश यादव लोकेश विकास निक्कू रिंकू राकेश यादव दीलिप यादव रामशंकर जायसवाल सहितभारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

फरेन्दा : निडर हो करें मतदान आपके साथ है पुलिस प्रशासन सीओ - सुनील दत्त दुबे

संवाददाता

महराजगंज । फरेन्दा आगामी 3 मार्च को विधान सभा चुनाव के दिन सभी नागरिकों को अपने मत का शत प्रतिशत प्रयोग करने की क्षेत्राधिकारी फरेन्दा सुनील दत्त दुबे ने किया अपील उन्होंने सोसल मीडिया के माध्यम से कहा की आगामी तीन मार्च को महराजगंज में विधानसभा चुनाव होना है सभी नागरिक अपने मतदान केंद्र पर पहुच कर शत प्रतिशत अपने मत का बिना डरे प्रयोग करें लोगों की सुरक्षा में हर मतदान

केंद्रों पर पैरामिलिट्री फोर्स लगाया गया है।

जेपी नड्डा आज कुण्डा विधानसभा के कालाकांकर में करँगे सिंदुजा के पक्ष में सभा

संवाददाता

कुण्डा प्रतापगढ़। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 23 फरवरी दिन बुधवार को 11 बजे कालाकांकर के मदन मोहन पीजी कॉलेज के मैदान में कुंडा से भाजपा प्रत्याशी सिंधुजा मिश्रा के समर्थन में जनसभा को करेंगे संबोधित, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह.।

आम की फसल को कीट एवं व्याधि से बचाए

संवाददाता

बहराइच । जनपद में आम के गुणवत्तायुक्त उत्पादन के लिये सम-सामयिक महत्व के कीट एवं रोगों का उचित प्रबन्धन समय से किया जाना नितान्त आवश्यक है। क्योंकि बौर निकलने से लेकर फल लगने तक की अवस्था अत्यन्त ही संवेदनशील होती है। वर्तमान में बागवानों को मुख्य रूप से भुनगा कीट एवं जाला कीट से पौधों को क्षति पहुॅचने की सम्भावना रहती है। आम के बागों में भुनगा कीट (मैंगो हॉपर) कोमल पत्तियों एवं छोटे फालें के रस चूसकर हानि पहुॅचाते हैं। प्रभावित भाग सूखकर गिर जाता है साथ ही यह कीट मधु की तरह चिपचिपा पदार्थ भी विर्सजित करता है, जिससे पत्तियों पर काले रंग की फफूॅद (सूटी मोल्ड) जम जाती है, फलस्वरूप पत्तियों द्वारा हो रही प्रकाश संश्लेषण की क्रिया मंद पड़ जाती है। इस प्रकार आम के बौर में लगने वाले मिज कीट मंजरियों एवं तुरन्त बने फलों तथा बाद में मुलायम कोपलों में अण्डे देती हैं, जिसकी सूॅडी अन्दर ही अन्दर खाकर क्षति पहुॅचाती है, प्रभावित भाग काला पड़ कर सूख जाता है। भुनगा एवं मिज कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड (0.3 मि0ली0 प्रति लीटर पानी) या क्लोरोपाइरीफॉस (2.0 मिली0 प्रति ली0) अथवा डायमेथेएट (2.0 मिली0 प्रति ली0) की दर से घोल बनाकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। इसी प्रकार खर्रा रोग के प्रकोप से ग्रसित फल एवं डंठली पर सफ़ेद चूर्ण के समान फफूॅद की वृद्धि दिखाई देती है। प्रभावित भाग पीले पड़ जाते हैं तथा मंजरियों सूखने लगती हैं। इस रोग से बचाव हेतु ट्राइडोमार्फ 1.00 मिली0/ लीटर या डायनोकेप 1.0 मिली0ली0/ली0 पानी की दर से भुनगा कीट के नियंत्रण हेतु प्रयोग किये जा रहे घोल के साथ मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है। बगवानों को यह भी सलाह दी जाती है कि बागों में जब बौर पूर्ण रूप से खिला हो तो उस अवस्था में कम से कम रासायनिक दवाओं का छिड़काव किया जाये जिससे पर-परागण किया प्रभावित न हो सके। इसके अतिरिक्त कीटनाशक के प्रयोग में बरती जाने वाली सावधानियों के लिए कीटनाशक के डिब्बों को बच्चों व जानवरों की पहुॅच से दूर रखना चाहिए। कीटनाशक का छिड़काव करते समय हाथों में दस्ताने, मुॅह को मास्क व ऑखों को चश्मा पहनकर ढक लेना चाहिए, जिससे कीटनाशी त्वाचा व ऑखों में न जाय। कीटनाशक का छिड़काव शाम के समय जब हवा का वेग अधिक न हो तब करना चाहिए अथवा हवा चलने की विपरीत दिशा में खड़े होकर करना चाहिए। कीटनाशक के खाली पाउच/डिब्बों को मिट्टी में दबा देना चाहिए।

आज ड्रोन का संचालन तथा पतंग का उड़ान रहेगा निषिद्ध

बहराइच । मा. प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी के जनपद बहराइच के भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत भ्रमण कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु सुरक्षा के मद्देनज़र दिनांक 22 फरवरी 2022 को जनपद के सम्पूर्ण क्षेत्र में ड्रोन संचालन एवं पतंग का उड़ान निषिद्ध रहेगा। यह जानकारी देते हुए अपर जिला मजिस्ट्रेट मनोज ने बताया कि जनपद में संवेदनशीलता की गतिविधियों के दृष्टिगत पूर्व में निर्गत निषेधाज्ञा आदेश दिनांक 08 जनवरी 2022 में आंशिक संशोधन करते हुए लगाये गये 31 प्रतिबन्धों के अतिरिक्त प्रतिषेध संख्या-32 शामिल करते हुए जनपद के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में विधि व्यवसथा एवं लोक परिशान्ति सहित लोक व्यवस्था व जन सुरक्षा कायम रखने के उद्देश्य से 22 फरवरी 2022 को ड्रोन संचालन एवं पतंग का उड़ान निषिद्ध किया जाता है।

पति गया था ड्यूटी, घर में पत्नी ने फांसी लगा कर दे दी जान

गोरखपुर । चिलुआताल थाना क्षेत्र के बरगदवा में किराये के मकान में पति अपनी पत्नी के साथ रह कर एक प्राइवेट फैक्ट्री में काम कर जीवन यापन करता था रविवार को युवक काम पर गया था रात में पत्नी फाँसी लगा कर जान दे दी ड्यूटी से वापस आने पर घटना की जानकारी पति को हुई पति की सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। मृतका के पति सन्तोष कुमार शाह पुत्र बिश्वनाथ शाह निवासी जफर पट्टी थाना राजा पाकड़ जिला बैशाली बिहार का निवासी है उक्त ने बताया की चिलुआताल थाना क्षेत्र के बरगदवा में किराये का मकान लेकर पत्नी सहित रह कर बरगदवा स्थित प्राइवेट कम्पनी में रह कर काम करता हूँ 20/2/22 दिन रविवार को दिन में मैं कम्पनी में काम पर चला गया था रात में मेरी पत्नी मेनका (36) छत में लगी कुंण्डी में सफ़ेद रंग की नायलान की रस्सी का फंदा बना कर झूल गयी सुबह ड्यूटी से वापस आने पर कमरे का फाटक खुला हुआ था अन्दर जा कर देखा तो रस्सी के फंदे से झूल रही थी तत्काल स्थानिय पुलिस को सूचना देकर अवगत कराया सूचना पर पहुंची पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव कब्जे में लेकर पोष्ट मार्टम के लिये भेज विधिक कार्यवाही कर रही है मृतका अपने पीछे दो लड़के व एक लड़की छोड़ गई है।

रायबरेली में चुनाव संपन्न कराने के लिए पुलिस फोर्स को किया रवाना

हमीरपुर। विधानसभा चुनाव जनपद में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। अन्य चरणों के लिए चुनाव कराने के लिए सोमवार को पुलिस फोर्स को पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार दीक्षित ने ब्रीफ किया। साथ ही हरी झंडी दिखाकर रायबरेली जनपद का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए रवाना किया। एसपी कमलेश कुमार दीक्षित ने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में अपर एसपी, सीओ एवं अन्य संबधित अधिकारी व कर्मचारी की उपस्थिति में पुलिस फोर्स को ब्रीफ किया। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर पुलिस फोर्स को रायबरेली मे चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु रवाना किया। पुलिस फोर्स को निर्देशित किया गया कि अपने ड्यूटी पॉइन्ट पर सतर्क रहें और मतदान स्थल के आस-पास किसी भी प्रकार की अनावश्यक भीड एकत्रित न होने पाये। साथ ही किसी भी बाहरी व्यक्ति से किसी प्रकार की सुविधा न लें, न ही किसी भी प्रकार के प्रलोभन में पड़ें। मतदान स्थलों पर किसी प्रकार की अव्यवस्था या मतभेद होने पर इसकी सूचना तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को दें। निर्देशित किया गया कि चुनाव ड्यूटी एक अतिमहत्वपूर्ण ड्यूटी है इसमे किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। उन्होंने कहा कि सभी अपने जनपद एवं पुलिस बल की गरिमा बनाये रखेंगे एवं पूर्ण सतर्कता बरतते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने जनता से मधुर व्यवहार करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देकर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।ब्रीफिंग के समय अपर एसपी सहित अन्य संबधित अधिकारी व कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

दहेज के लिए प्रताड़ित करने का दर्ज करवाया मुकदमा

कुरारा(हमीरपुर)कस्बा निवासिनी विवाहिता महिला ने जनपद कानपुर निवासी पति सहित ससुरालीजनों के ख़िलाफ़ मारपीट करने व अतिरिक्त दहेज के लिए दबाव बनाने व प्रताड़ित करने की तहरीर थाने में दी है। वही पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व मारपीट करने का मुकदमा दर्ज किया है। कस्बे के वार्ड 9 निवासी विवाहिता किरन यादव पुत्री राजेश कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया कि मेरी शादी 27 जून 2020 को कस्बे के प्रियंका गेस्ट हाउस से कानपुर जिले के विधनू कस्बा निवासी अजीत यादव पुत्र रमाशंकर उर्फ कल्लू के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजनो द्वारा अतिरिक्त दहेज 2 लाख 50 हजार रुपये व सोने की चेन की मांग करने लगे तथा मेरे ऊपर दबाव बनाने लगे मेरे पिता के द्वारा मांग न पूरी करने पर उत्पीड़न कर मारपीट करने लगें तथा कई दिन तक कमरे में बंद कर दिया तथा खाना भी नही दिया। 18 फरवरी 2022 को मेरा पति अजीत यादव मेरे पास कुरारा पिता के घर आया तथा रात में मेरे माता पिता व परिजनों को गाली गलौज किया तथा मेरे साथ भी मारपीट की तथा मेरे अंगुली में काट लिया जिससे मेरे हाथ में चोट आई है। पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने सास रानी, ससुर रमाशंकर उर्फ कल्लू , पति अजीत यादव, जेठ मुलायम यादव, जेठानी किरण यादव, ननद सोनाली व नन्दोई राहुल के खिलाफ मारपीट करने तथा घर से बाहर निकाल देने व उत्पीड़न करने का मुकदमा दर्ज किया है। महिला अपने पिता के घर कुरारा में रह रही है।

न्यूरल ट्यूब डिफ़ेक्ट से मासूमों ने जीती जंग

संवाददाता

हमीरपुर। सुमेरपुर ब्लाक के विदोखर गांव निवासी वृंदावन के घर पुत्री के जन्म से लोगों में खुशी थी। उनकी यह खुशी उस वक्त पीड़ा में बदल गई जब जन्म के कुछ देर बाद ही पता चला कि बच्ची जन्मजात गंभीर बीमारी से ग्रसित है। पारिवारिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह बच्ची का निजी अस्पताल में महंगा इलाज करा पाते, लेकिन जब पता चला कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत बच्ची का निःशुल्क उपचार हो सकता है तो उनको राहत मिली, हालांकि मासूम बच्ची को ब्रेन की जटिल सर्जरी से गुजरना पड़ा। एक माह दस दिन तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद बच्ची अब पूरी तरह सामान्य हो चुकी है। परिवार के लोग खुश हैं। यही कहानी मुस्करा ब्लाक के मजदूर हरी सिंह की है। उनके भी दुधमुंहे पुत्र को न्यूरल ट्यूब डिफ़ेक्ट की शिकायत के बाद जटिल सर्जरी से गुजरना पड़ा, लेकिन अब वह भी पूरी तरह से स्वस्थ है। वृंदावन का कहना है कि 21 जुलाई 2021 को पहली संतान के रूप में बेटी का जन्म हुआ। बेटी के सिर में फोड़े जैसा उभार था। चिकित्सीय भाषा में इसे न्यूरल ट्यूब डिफ़ेक्ट नाम की बीमारी कहा जाता है, जो कि गंभीर होती है और बिना सर्जरी के उपचार संभव नहीं है। प्राइवेट नौकरी करके परिवार चलाने वाले वृंदावन के पास इतना पैसा नहीं था कि बच्ची का उपचार प्राइवेट अस्पताल में करा पाते। उन्हें पता चला कि आरबीएसके के तहत बच्ची का मुफ्त उपचार हो सकता है। उन्होंने सुमेरपुर ब्लाक की आरबीएसके की बी टीम से संपर्क किया। टीम के डॉ.दिलीप श्रीवास्तव, आप्टोमैट्रिस्ट नूतन शर्मा, डॉ.पुष्पांजलि वर्मा और स्टाफ नर्स माही बानो ने उनकी मदद की। बच्ची की मेडिकल कॉलेज झांसी में ब्रेन की दो सर्जरी हुई। एक माह दस दिन तक बच्ची झांसी में भर्ती रही। अब वह पूरी तरह से स्वस्थ है।सुमेरपुर ब्लाक की ही आरबीएसके टीम बी के मेडिकल ऑफीसर डॉ.नीरज वर्मा की अगुवाई वाली टीम ने सहुरापुर गांव की 11 वर्षीय बच्ची के कटे हुए तालू की बीते माह चार जनवरी को सर्जरी करवाई। लगातार निगरानी और उपचार के बाद से बच्ची बोलने में सक्षम होने लगी है।

आरबीएसके बना सहारा तो मिला निःशुल्क इलाज

मुस्करा के हरी सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी ने 21 जुलाई 2021 को मुस्करा सीएचसी में पुत्र को जन्म दिया था। उसके गर्दन के पिछले हिस्से में फोड़े जैसा उभार था। हरी सिंह बताते हैं कि वह मजदूरी करके परिवार चलते हैं। इलाज के लिए पैसा नहीं था, लेकिन मुस्करा ब्लाक की आरबीएसके टीम के डॉ.महेंद्र, आप्टोमैट्रिस्ट अखण्ड ज्योति पाण्डेय की मदद से उनके पुत्र अंकित की झांसी मेडिकल कॉलेज में 12 नवंबर 2021 को सफल सर्जरी हुई, जिससे उसकी जान बच गई। बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है।

जन्मजात विकारों को लेकर अलर्ट है आरबीएसके

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एके रावत ने बताया कि 11 जन्मजात विकारों सहित शून्य से 18 साल के किशोर-किशोरियों के 44 स्वास्थ्य दशाओं पर आरबीएसके टीम काम करती है। जिले के सभी प्रसव केंद्रों में जन्म लेने वाले नवजातों में किसी किस्म का विकार मिलने पर परीक्षण कराया जाता है। इसके बाद आरबीएसके के माध्यम से ऐसे बच्चों का निःशुल्क उपचार कराया जाता है। बांदा में पैर के टेढ़े पंजों, कानपुर के न्यू लीलामणि में कटे होंठ-तालू और झांसी मेडिकल कॉलेज में न्यूरल ट्यूब डिफ़ेक्ट की सर्जरी कराई जाती है।

कटे होंठ-तालू के 10 बच्चों की हुई सर्जरी

आरबीएसके के डीईआईसी मैनेजर गौरीश राज पाल ने बताया कि अप्रैल 2021 से लेकर जनवरी 2022 तक आरबीएसके की टीमों ने जनपद के प्रसव केंद्रों में जन्मजात विकारों के साथ जन्म लेने वाले बच्चों को चिन्हित कर उनके उपचार कराए। इस अवधि में न्यूरल ट्यूब डिफ़ेक्ट से ग्रसित दो बच्चों की सफलता पूर्वक सर्जरी करवाई गई। कटे होंठ-तालू के 10 बच्चों में आठ की सर्जरी हो चुकी है। पैर के टेढ़े पंजों के साथ जन्म लेने वाले 11 बच्चे चिन्हित किए गए, जिसमें सात का उपचार हो चुका है। एक मूकबधिर बच्चे का उपचार हुआ है।

फोलिक एसिड और आयरन की कमी से होता है न्यूरल ट्यूब डिफ़ेक्ट

जिला महिला अस्पताल के नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.आशुतोष निरंजन ने बताया कि न्यूरल ट्यूब डिफ़ेक्ट गंभीर बीमारी है। यह बीमारी गर्भस्थ शिशु में फोलिक एसिड और आयरन की कमी की वजह से होती है। इसलिए गर्भावस्था का पता चलते ही महिलाओं को कम से कम सौ दिनों तक फोलिक एसिड और आयरन की टेबलेट खानी चाहिए और नियमित तौर पर डॉक्टर के संपर्क में रहकर परामर्श लेते रहना चाहिए ताकि जन्म लेने वाले बच्चे न्यूरल ट्यूब डिफ़ेक्ट जैसी गंभीर बीमारी का शिकार न हो सकें।

साहा को 'धमकी वाले मामले पर भारतीय क्रिकेटर्स संघ का बड़ा बयान आया सामने

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर्स संघ (आईसीए) ने मंगलवार को एक वरिष्ठ भारतीय पत्रकार द्वारा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा को 'धमकी भरा संदेश देने की कड़ी निंदा की और इस मुद्दे की जांच के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले का स्वागत किया। आईसीए ने बीसीसीआई से अपील की है कि वे इस मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें।

आईसीए प्रमुख अशोक मल्होत्रा ने बयान में कहा, 'हम इस तथ्य को स्वीकार करते हैं कि मीडिया हमारे खेल और खिलाड़ियों दोनों की प्रगति मे काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है लेकिन हमेशा एक सीमा होती है जिसे कभी पार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'साहा के मामले में जो भी हुआ वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और हम संबंधित मीडिया संगठन से भी अपील करते हैं कि वे इस मुद्दे पर गौर करें और सुनिश्चित करें कि इस तरह की चीजें दोहराई नहीं जाएं।

मल्होत्रा ने कहा, 'आईसीए के रूप में हमारी सबसे बड़ी चिंता अतीत के और मौजूदा क्रिकेटरों का कल्याण है और हम पत्रकार या अन्य किसी से भी इस तरह के बर्ताव को स्वीकार नहीं करेंगे। मल्होत्रा चाहते हैं कि साहा उस पत्रकार के नाम का खुलासा करें जिन्होंने उसे संदेश भेजा था। उन्होंने कहा, 'हम पूरी तरह से साहा के साथ हैं और उससे आग्रह करते हैं कि वह पत्रकार के नाम का खुलासा करें। बीसीसीआई को अगर लगता है कि पत्रकार की मान्यता और बीसीसीआई के किसी टूर्नामेंट में उसे प्रवेश को रद्द करने की जरूरत है तो हम इस कदम का पूरी तरह से समर्थन करेंगे।

आईसीए सचिव हितेश मजूमदार ने कहा, 'हम साहा को अपने पूरे समर्थन की पेशकश करते हैं। किसी भी खिलाड़ी को मीडिया या किसी और से इस तरह की 'धमकी का सामना नहीं करना चाहिए। हम मीडिया से अपील करते हैं कि वे भी साहा का समर्थन करें और सुनिश्चित करें इस तरह के मुद्दे दोबारा सामने नहीं आएं। उन्होंने कहा, ''खिलाड़ी और मीडिया के बीच कोई भी बातचीत हमेशा आपसी सहमति से होनी चाहिए।

हॉकी प्रो लीग : स्पेन के खिलाफ मुकाबले के लिए भारतीय टीम का ऐलान

श्रेयस मनोरम

नई दिल्ली। उदीयमान फारवर्ड सुखजीत सिंह को स्पेन के खिलाफ इस सप्ताह के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिये मंगलवार को घाषित 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम में शामिल किया गया। मनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय टीम 26 और 27 फरवरी को स्पेन का सामना करेगी। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को मनप्रीत के साथ उप-कप्तान बनाया गया है। पंजाब के 25 वर्षीय सुखजीत टीम में शामिल एकमात्र नया चेहरा है। उन्हें पिछल साल पहली हॉकी इंडिया अंतरविभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद कोर ग्रुप में चुना गया था। भारत ने उन खिलाड़ियों पर ही भरोसा दिखाया है जिन्हें पहले आजमाया जा चुका है। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने इसे संतुलित टीम करार दिया। रीड ने कहा, 'हमने इस सप्ताहांत स्पेन के खिलाफ मैचों के लिये संतुलित टीम का चयन किया है और हम भुवनेश्वर में अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिये तैयार हैं।' उन्होंने कहा, 'स्पेन की टीम के पास नया कोच है और वह इंग्लैंड से हारने के बाद अच्छा प्रदर्शन करने के लिये बेताब है। ये मैच साल के व्यस्त कार्यक्रम की तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं।'

भारत को प्रो लीग में अब तक मिश्रित परिणाम मिले हैं। उसने दक्षिण अफ्रीका में खेले गये मैचों में मेजबान को हराया था लेकिन वह फ्रांस से हार गया था। इसके बाद भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने हॉकी इंडिया से स्पष्टीकरण मांगा था।

भारतीय टीम इस प्रकार है :

गोलकीपर : पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा।

डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (उपकप्तान), मनदीप मोर, सुरेंद्र कुमार, वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, दीपसन टिर्की।

मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह (कप्तान), विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, आकाशदीप सिंह।

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, शिलानंद लकड़ा, सुखजीत सिंह, अभिषेक।

स्टैंडबाय : कृष्ण बहादुर पाठक, अमित रोहिदास, राजकुमार पाल, मोइरंगथेम रबिचंद्र सिंह, दिलप्रीत सिंह।

जोकोविच ने 2022 में अपना पहला मैच जीता, लारेंजो मुसेटी को हराया

दुबई । ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग नहीं ले पाने वाले नोवाक जोकोविच ने यहां दुबई टेनिस चैंपियनशिप में लारेंजो मुसेटी को 6-3, 6-3 से हराकर वर्ष 2022 में अपना पहला मैच जीता। जोकोविच पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाए थे। उन्हें कोविड का टीका नहीं लगवाने के कारण ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित कर दिया गया था।

संयुक्त अरब अमीरात ने उन्हें प्रवेश की अनुमति दी और जोकोविच ने उस टूर्नामेंट से वर्ष 2022 की शुरुआत की जिसमें उन्होंने पांच बार जीत हासिल की है। पिछले साल फ्रेंच ओपन में मुसेटी ने जोकोविच से दो सेट जीते थे लेकिन इटली का यह खिलाड़ी यहां ब्रेक प्वाइंट हासिल करने के कई मौकों को नहीं भुना पाया।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं अपने खेल से संतुष्ट हूं विशेषकर तब जबकि मैं पिछले ढाई-तीन महीने से नहीं खेल पाया हूं।% उनका अगला मुकाबला कारेन खाचनोव और अलेक्स डि मिनौर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इस बीच एंडी मर्रे ने 2017 के बाद दुबई में अपना पहला मैच जीता। उन्होंने आस्ट्रेलिया के क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओ कोनेल को 6-7 (4), 6-3, 7-5 से हराया। यह मैच लगभग तीन घंटे तक चला।

भविष्य में इस देश के लिए खेलना चाहते हैं नेमार, बताया कब लेंगे संन्यास

साओ पाउलो । दिग्गज फुटबॉलर नेमार भविष्य में अपने देश ब्राजील के बजाय अमरीका में खेलना चाहते हैं। इस 30 वर्षीय फुटबॉलर ने हाल में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ अपना अनुबंध 2025 तक बढ़ाया था। नेमार ने 'फेनोमेनोस पॉडकास्ट में कहा, 'मैं नहीं जानता कि मैं फिर से ब्राजील में खेलूंगा या नहीं। मेरी दिली इच्छा अमरीका में खेलने की है। मैं कम से कम एक सत्र के लिए वहां खेलना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, 'ब्राजील में खेलने को लेकर मैं नहीं जानता। कुछ अवसरों पर मुझे लगता है कि वहां खेलना चाहिए लेकिन कभी मैं ऐसा नहीं चाहता। इस स्ट्राइकर ने अमरीका में खेलने के बारे में मजाकिया अंदाज में कहा, 'क्योंकि वहां चैंपियनशिप जल्दी समाप्त हो जाती है, इसलिए चार महीने का अवकाश मिल जाता है। इस तरह से आप वहां वर्षों तक खेल सकते हैं।

नेमार से पूछा गया कि क्या वह संन्यास की योजना बना रहे हैं, उन्होंने कहा कि वह अपने दोस्तों से मजाक में कहते हैं कि वह 32 साल की उम्र में संन्यास ले लेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं जब तक मानसिक रूप से नहीं थक जाता तब तक खेलता रहूंगा। मेरा शरीर कुछ साल तक खेलने के लिए फिट रहेगा लेकिन मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी है। लेकिन इसके कोई निश्चित उम्र तय नहीं है।

नेमार ने कहा कि ब्राजील की राष्ट्रीय टीम 'ब्राजील के प्रशंसकों से बहुत दूर हो गई है। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता कि यह क्यों और कब शुरू हुआ, लेकिन मैं इसे अपने मैचों में देखता हूं। लोग इसके बारे में बात नहीं करते। उन्हें पता नहीं होता कि हम कब खेलते हैं। यह बुरा है। नेमार ने कहा, 'ऐसी पीढ़ी में रहना दुखद है जहां ब्राजील का खेलना महत्वपूर्ण नहीं है। जब मैं बच्चा था तो यह उत्सव जैसा होता था।

बीजिंग शीतकालीन ओलिम्पिक संपन्न, सामने आई क्लोजिंग सेरेमनी की भव्य फोटोज

बीजिंग = बीजिंग शीतकालीन ओलिम्पिक खेल रविवार को यहां बर्ड्स नेस्ट स्टेडियम में रंगारंग समापन समारोह के बाद आधिकारिक लौ बुझाने के साथ समाप्त हो गए। कोरोना वायरस महामारी के बीच आयोजित ये दूसरे ओलिम्पिक थे। कोविड-19 वायरस के कारण खिलाड़ी, मीडिया और कार्यकर्ता 'बायो-बबल' की पाबंदियों में रहे। हालांकि 463 कोविड-19 पॉजिटिव मामले भी सामने आए।

चीन पर मानवाधिकारों के उल्लघंन के आरोप लगाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कईयों ने ओलिम्पिक आयोजित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति की निंदा की। कई देशों ने कोई आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजकर इन ओलिम्पिक का बहिष्कार किया। हालांकि उन्होंने अपने खिलाड़ियों को इन खेलों में हिस्सा लेने के लिए भेजा।

भारत ने आधिकारिक तौर पर इन खेलों के राजनयिक बहिष्कार की घोषणा की थी। उद्घाटन और समापन समारोह के लिए भारत ने अपना कोई दूत नहीं भेजा। भारत सरकार ने घोषणा की थी बीजिंग में भारतीय दूतावास का कोई भी राजनयिक 2022 शीतकालीन ओलिम्पिक के उद्घाटन और समापन समारोह में हिस्सा नहीं लेगा क्योंकि चीन ने गलवान घाटी में हुई झड़प में शामिल एक सैन्य कमांडर को इन खेलों का मशालवाहक बनाया था। अब सभी की निगाहें पेरिस 2024 ओलिम्पिक पर लगी होंगी और अधिकारियों को उम्मीद है कि ये कोविड-मुक्त और विवाद मुक्त खेल होंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक ने आधिकारिक रूप से बर्ड्स नेस्ट स्टेडियम में बीजिंग ओलिम्पिक खेलों का समापन किया। मिलान और कॉर्टिना डी एमपेजो में 2026 में मिलने के वादे के साथ ओलिम्पिक लौ औपचारिक रूप से बुझा दी गयी।

IPL ऑक्शन पर बिगड़े रोबिन उथप्पा के बोल, रैना के लिए ईशारों में कही यह बात

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के सीनियर बल्लेबाजी रोबिन उथप्पा का आई.पी.एल. को लेकर दिया गया बयान इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। उथप्पा ने कहा- ऑक्शन की वजह से एक प्लेयर को इस बात पर तौला जाता है कि उसे नीलामी के दौरान कितने पैसे मिले, जोकि मुझे लगता है कि सही नहीं है। रॉबिन आईपीएल के नए सीजन आगामी सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स से खेलते दिखेंगे। उनकी माने तो वह सिर्फ चेन्नई के लिए ही खेलना चाहते थे।

उथप्पा ने कहा कि मैं सीएसके के लिए ही खेलना चाहता था। मैं यही प्रार्थना भी कर रहा था, यहां तक कि मेरी फैमिली भी चाहती थी कि मैं चेन्नई के लिए ही खेलूं। मैं उस टीम में आकर काफी खुश हूं जहां पर आपको पूरी सिक्योरिटी और सम्मान मिलता है। यहां पर प्लेयर्स को काफी सपोर्ट किया जाता है और इसी वजह से मुझे लगता है कि मैं कुछ भी कर सकता हूं।

उथप्पा ने इसी के साथ आई.पी.एल. ऑक्शन पर भी बात की। खास तौर पर सुरेश रैना पर। रैना को ऑक्शन में किसी टीम ने नहीं खरीदा। ऐसे में उथप्पा ने कहा कि ऑक्शन एग्जाम की तरह लगता है जिसके रिजल्ट के लिए खूब इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऑक्शन के दौरान अच्छी फीलिंग नहीं आती। परफॉर्मेंस के आधार पर कम परखा जाता है जबकि आईपीएल में मिलने वाले पैसों से ज्यादा।

द हंड्रेड 2022: स्मृति मंधाना, मैक्सवेल, डुप्लेसिस रिटेन

नई दिल्ली। ग्लेन मैक्सवेल, फाफ डु प्लेसिस, स्मृति मंधाना और एलिसे पेरी को द हंड्रेड 2022 के लिए संबंधित टीमों ने रिटेन किया है। ईसीबी ने मंगलवार (22 फरवरी) को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि 150 से अधिक पुरुष और महिला खिलाड़ियों को टीमों ने बरकरार है। इसमें इयोन मोर्गन सहित 28 केंद्रीय अनुबंधित इंग्लैंड के खिलाड़ी हैं। मैक्सवेल और डु प्लेसिस के अलावा जिन पुरुष खिलाडियों को बरकरार रखा गया है उनमें न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने, अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान, मार्कस स्टोइनिस और टिम डेविड भी शामिल हैं।

श्रीलंका खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय खिलाड़ियों ने नेट्स में बहाया पसीना

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम लखनऊ पहुंच चुकी है और अभ्यास करना शुरू कर दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में खिलाड़ियों अभ्यास करते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इस दौरान भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा नेट में अपनी बल्लेबाजी को लेकर जमकर पसीना बहाया। श्रीलंका खिलाफ फैंस रोहित के बल्ले से शतक की उम्मीद कर रहे हैं। क्योंकि रोहित शर्मा ने श्रीलंका खिलाफ ही टी20 का सबसे तेज शतक लगाया। रोहित शर्मा ने मात्र 35 गेंदों में शतक लगा दिया था।

वहीं श्रीलंका खिलाफ टी20 सीरीज के लिए रविंद्र जडेजा की भी वापसी हो रही है। जडेजा चोट के बाद से उबर कर टीम में आ रहे हैं। तो सीरीज में जडेजा का प्रदर्शन कैसा रहेगा, इस पर भी फैंस की नजरें बनी रहेंगी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी नेट्स में पसीना बहाते हुए नजर आए।

श्रीलंका खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम युवा खिलाड़ियों को मौका दे सकती है। इसलिए दीपक हुड्डा, आवेश खान जैसे युवा खिलाड़ी भी अभ्यास करते हुए दिखाई दिए। इस दौरान भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ खिलाड़ियों पर नजर बनाए हुए थे।

भारतीय टी20 टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुड्डा, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), भुवनेश्वर कुमार, दीपक चाहर, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज, संजू सैमसन, रविंद्र जडेजा, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, आवेश खान।

सारा तेंदुलकर ने जिम में बहाया पसीना

नई दिल्ली। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ही नहीं बल्कि उनका पूरा परिवरा ही चर्चा में रहता है। सचिन के बेटे अर्जुन तेंदुलकर हाल ही में हुई आईपीएल की मेगा ऑक्शन में मुंबई इंडियंस द्वारा खरीदे गए हैं। तो वहीं दूसरी तरफ उनकी लाडली बेटी सारा

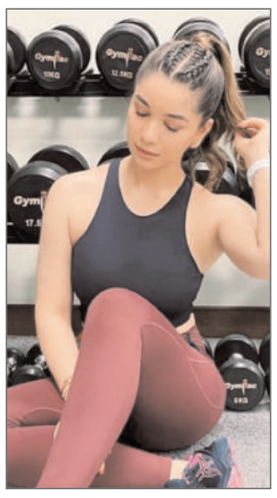

तेंदुलकर सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में सारा ने जिम की फोटो शेयर की है जिसमें उन्होंने अपने कोच का धन्यवाद किया है।

सारा तेंदुलकर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए जिम की फोटो शेयर की है। इस फोटो में सारा जूस पी रही हैं और अपने वर्कआउट के बारे में बता रही हैं। इस दौरान सारा ने जिम कोच गोपाल का धन्यवाद किया और लिखा कि दिन की बहुत शानदार शुरूआत हुई है। कोच गोपाल सर को थैंक्स।

सारा ने यह पहली बार अपने इंस्टाग्राम पर जिम की फोटो शेयर नहीं की है। वह इससे पहले भी इंस्टा पर फोटो शेयर करती रही हैं। अपने पिता से हटकर सारा ने अपनी पहचान बनाई है और लोग उनके फैशन स्टेटमैंट के फैन है। यही कारण है कि सारा के इंस्टाग्राम पर तकरीबन 17 लाख फॉलोवर्स हैं। देखें सारा तेंदुलकर की फोटो -

हाल ही में हुई आईपीएल ऑक्शन में जब मुंबई इंडियंस की टीम ने अर्जुन तेंदुलकर को अपनी टीम में शामिल किया था। तब सारा ने अपने भाई को सपोर्ट करते हुए पोस्ट शेयर की थी। मुंबई ने अर्जुन तेंदुलकर को 30 लाख रुपए में खरीदा है।

टी20 में छक्का लगाकर डेब्यू करने वाले सूर्यकुमार बने चुके हैं भारतीय टीम की मजबूत कड़ी

कोलकाता । स्काई इज़ द लिमिट सूर्यकुमार यादव भले ही इस चुटकुले से तंग आ गए हो, प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुशी से यह कहने से उन्होंने किसी को इनकार नहीं किया। वह हंसते हैं और संतुष्ट होते हैं कि चीज़ें उनके लिए कौन सा आकार ले रही हैं। मार्च 2021 में वह भारतीय टीम का दरवाज़ा खटखटाने वाले एक खिलाड़ी थे। 30 साल की आयु में उन्हें पता नहीं था कि भारतीय टीम में खेलने का मौक़ा मिलेगा भी या नहीं।

2018 से मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन तथा महामारी से पहले घरेलू क्रिकेट में चार सीज़नों से बड़े रन बनाने के बाद भी भारतीय कैप उनकी पहुंच से बाहर थी। कोई गारंटी भी नहीं थी। लेकिन जैसे ही उन्होंने अपनी मानसिकता में बदलाव किया और चयन को भगवान-भरोसे छोड़ दिया, चीज़ें बदल गई। भारतीय टीम का बुलावा आया और उन्होंने जोफ़ा आर्चर की गेंद पर छक्का लगाकर अपने करियर की शुरुआत की।

जिंदगी मानो बदल सी गई। श्रेयस अय्यर के लिए मिडिल ऑर्डर में बैक-अप के तौर पर टीम में आए सूर्यकुमार ने अब ढेर सारे रन बनाकर बंद दरवाजे को खोला ही नहीं बल्कि तोड़ दिया है। वह दबाव का सामना करते हैं और अपनी बल्लेबाजी के अंदाज़ को बदले बिना किसी अनुभवी खिलाड़ी की तरह टीम को आगे बढ़ाते हैं। वेस्टइंडीज़ के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज ने इस टीम में सूर्यकुमार के मोल को बढ़ाया है। जब टीम को सबसे ज़्यादा जरूरत थी, उन्होंने अपने खेल से टीम में अपना स्थान पक्का कर लिया है।

रविवार को पारी को संभालते हुए 31 गेंदों में 65 रन बनाने के साथ-साथ पहले टी20 मैच में उन्होंने अंत तक रहकर लक्ष्य को हासिल किया था। सूर्यकुमार के खेल का रहस्य वह शांति है जो उन्हें अंतिम सेकंड में गेंदबाज़ों पर प्रहार करने की अनुमति देती है। गेंदबाज द्वारा गेंद के फेंकने से पहले वह बहुत कम संकेत देते हैं और फिर अपनी कलाइयों का इस्तेमाल करते हुए गेंद पर आक्रमण करते हैं। जब वह गेंद पर हमला करते हैं तो वह किसी जादू से कम नहीं लगता है।

उस शॉट की तरह जब ऑफ स्टंप पर डॉमिनिक ड्रेक्स की एक लेंथ गेंद को उन्होंने नीचे बैठकर फाइन लेग सीमा रेखा के बाहर दे मारा था। गेंद फेंकने से पहले तक सूर्यकुमार खड़े रहे, फिर तेज़ी से शफ़ल करते हुए नीचे बैठे और गेंद को लैप स्वीप के सहारे स्टैंड्स में भेज दिया। सूर्यकुमार के अंदाज को और दर्शनीय बनाने वाली उनकी अनुकूलन क्षमता है। रविवार को जब वह बल्लेबाज़ी के लिए आए तो भारत 11वें ओवर में 3 विकेट पर 66 रन पर था।

फिर रोहित शर्मा 14वें ओवर में आउट हुए। इससे सूर्यकुमार की गति या खेलने के अंदाज़ पर कोई असर नहीं पड़ा। वह शॉट लगाने की हड़बड़ी में नहीं थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उन्होंने भारत की स्थिति के साथ तालमेल बिठा लिया था। एक छोर को पकड़ना, स्कोर को आगे बढ़ाना, विकेटों के बीच तेज़ दौड़ लगाना और हर ख़राब गेंद को सही ठिकाने लगाना।

भारत की नजरें विश्व तीरंदाजी पैरा चैम्पियनशिप में पदक पर

दुबई । टोक्यो पैरालंपिक के कांस्य पदक विजेता हरविंदर सिंह सहित भारत के शीर्ष पैरा तीरंदाज बुधवार से यहां शुरू हो रही विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में चुनौती पेश करेंगे। सोनीपत के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में दो महीने के ट्रेनिंग शिविर के बाद भारत की नौ सदस्यीय टीम यहां पहुंची है और तीरंदाजों को इस शीर्ष प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन का भरोसा है। भारत ने 2017 से लगभग सभी प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं लेकिन इसमें विश्व चैंपियनशिप शामिल नहीं है।

हरविंदर ने 2018 एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण और तोक्यो पैरालंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता। तोक्यो में एतिहासिक पैरालंपिक कांस्य पदक जीतने से पहले पंजाब के अजीतनगर में अपने खेत को निशानेबाजी के अभ्यास के लिए इस्तेमाल करने वाले हरविंदर का ध्यान परफेक्ट स्कोर बनाने और पदक के साथ स्वदेश लौटने पर है।

हरविंदर ने कहा- यहां मौजूद प्रत्येक खिलाड़ी की तरह मुझे पदक के साथ स्वदेश लौटने की खुशी होगी लेकिन अभी मैं इसके बारे में नहीं सोच रहा। मेरा लक्ष्य इस हफ्ते अच्छी तीरंदाजी करने पर है। हरविंदर ने कहा कि वह चैंपियनशिप के लिए लक्ष्य निर्धारित करके खुद को दबाव में नहीं डालना चाहते। उन्होंने कहा कि मानसिक रूप से मैं आश्वस्त हूं लेकिन मैं अतिआत्मविश्वास में नहीं होना चाहता या चैंपियनशिप के लिए लक्ष्य निर्धारित करके दबाव में नहीं आना चाहता। मैं सिर्फ अच्छा स्कोर बनाने पर ध्यान देना चाहता हूं।

तीन दिन में अपना 31वां जन्मदिन मनाने वाले रिकर्व पुरुष ओपन तीरंदाज हरविंदर ने कहा कि मैंने पैरालंपिक और एशियाई पैरा खेलों में ऐसा ही किया। मैं यही रणनीति अपनाना चाहता हूं- धैर्य रखो, एकाग्र रहो और अच्छे निशाने लगाओ। कंपाउंड ओपन तीरंदाजों में पैरालंपियन राकेश कुमार, श्याम सुंदर स्वामी और ज्योति बालियान शामिल हैं।